अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 139 | लखनऊ, बुधवार, 03 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ: 8 | मूल्य : 2.00

अयोध्या में अब 52 एकड़ में बनेगा विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● मुख्यमंत्री योगी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर लगी मुहर

लखनऊ। योगी सरकार ने अयोध्या को विश्वस्तर पर एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। टाटा सन्स के सहयोग से अयोध्या में प्रस्तावित विश्वस्तरीय 'मंदिर संग्रहालय' के लिए राज्य सरकार ने 25 एकड़ के स्थान पर अब 52.102 एकड़ जमीन निःशुल्क देने का निर्णय लिया है। इस आशय का प्रस्ताव मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में यहां लोकभवन में हुई कैबिनेट बैठक में मंजूर किया गया। इस बैठक में कुल 19 अहम प्रस्तावों पर मोहर लगी है।

कैबिनेट के निर्णयों के बारे में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि टाटा सन्स ने अपने सीएसआर फंड से एक अत्याधुनिक मंदिर संग्रहालय विकसित करने और उसका संचालन करने की इच्छा व्यक्त की है। इसे कम्पनी एक्ट 2013 की धारा 8 के तहत एक गैर-लाभकारी एसपीवी के तहत बनाया जाएगा। इसमें केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। परियोजना के लिए भूमि आवंटन के लिए केन्द्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और टाटा सन्स के बीच त्रिपक्षीय एम्ओयू बीते 3 सितंबर 2024 को हस्ताक्षरित हो चुका है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि पूर्व में प्रदेश

सरकार ने अयोध्या के मांझा जमथरा गांव में 25 एकड़ नजूल भूमि टाटा सन्स को 90 वर्षों के लिए उपलब्ध कराने की अनुमति दी थी, लेकिन टाटा संस ने संग्रहालय की भव्यता के दृष्टिगत अधिक भूमि की अपेक्षा की थी। ऐसे में अब इस भूमि के अतिरिक्त 27.102 एकड़ और मिलाकर कुल 52.102 एकड़ भूमि का निःशुल्क हस्तांतरण आवास एवं शहरी नियोजन विभाग से पर्यटन विभाग के पक्ष में किया जाएगा, ताकि इस संग्रहालय और निमार्ण कार्यो का दायरा बढ़ाया जा सके।

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लेने वाले यूपी के खिलाड़ियों को बड़ी राहतउत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को बड़ी राहत देने का ऐलान किया है। ऐसे खिलाड़ियों के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं, ट्रेनिंग कैंपों और संबंधित गतिविधियों में शामिल होने की अवधि और उनके आवागमन के समय को भी 'ड्यूटी' माना जाएगा। योगी कैबिनेट के इस फैसले से खिलाड़ियों को अनुमति लेने में होने वाली मुश्किलें खत्म हो जाएंगी। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अब तक 'अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली-2022' में ऐसी कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं थी। सेवा नियमावली में अवकाश संबंधी प्रावधान न होने के कारण खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं और प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेने के लिए अनुमति प्रक्रिया में दिक्कतें आती थीं। अब नई प्रणाली में व्यवस्था होगी कि नियुक्त खिलाड़ी जब भी किसी राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता, कैंप या प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने की अवधि सेवा अवधि (ड्यूटी) मानी जाएगी। इसमें आने-जाने का पूरा समय भी शामिल होगा। वाराणसी के सम्पूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम का संचालन अब साई करेगा योगी कैबिनेट ने वाराणसी में निर्माणाधीन डॉ. सम्पूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिगरा के संचालन, प्रबंधन और रखरखाव तथा राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए 'भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के साथ हुए एमओयू को मंजूरी दे दी है। यह वही स्टेडियम है, जहां 'खेलो इंडिया' योजना के तहत आधुनिक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया गया है। एमओयू के तहत स्टेडियम परिसर में मौजूद खेल सुविधाओं; जैसे, भवन, ढांचे, मैदान और अन्य अवसंरचनाओं को साई को सौंपा जाएगा, ताकि यहां नेशनल सेंटर ऑह्वफ एक्सीलेंस की स्थापना और संचालन सुचारु रूप से हो सके। हर मंडल में दिव्यांग पुनर्वास केंद्र खुलेंगेयोगी सरकार की कैबिनेट बैठक में आज दिव्यांगजनों के लिए एक अहम निर्णय लिया गया। सरकार ने राज्य के सभी 18 मंडलों में नए जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) खोलने को मंजूरी दे दी है। वर्तमान में प्रदेश के 38 जिलों में ऐसे केंद्र चल रहे हैं। कुछ समस्याओं के कारण कई जगह संचालन प्रभावित हो रहा था। अब सरकार पूरे ढांचे को नए सिरे से संसाधनों से लैस करते हुए संचालित करने जा रही है, ताकि दिव्यांगजनों को मिलने वाली सेवाओं में कोई बाधा न आए। कानपुर और बरेली की पेयजल परियोजना को मंजूरी मंत्री खन्ना ने बताया कि कैबिनेट ने शहरी पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं को हरी झंडी दे दी है। अटल नवीकरण एवं शहरी रूपांतरण मिशन-अमृत 2.0 के तहत बरेली और कानपुर नगर निगम क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुधारने और नेटवर्क विस्तार के लिए कुल 582.74 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी मिली है।

संक्षिप्त

राज्य सभा में एसआईआर पर पहले चर्चा कराने को लेकर तीखी बहस, विपक्ष का बहिर्गमन

नई दिल्ली। संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने राज्यसभा में कहा है कि सरकार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण-एसआईआर पर चर्चा करने को तैयार है लेकिन इससे पहले एकाध विधेयक को पारित कर वंदेमातरम को चर्चा के लिए लिया जाएगा तो इस पर विपक्षी सदस्यों ने तीखी आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि पहले एसआईआर पर चर्चा की मांग की जा रही है तो इसे ही पहले लिया जाना चाहिए। सत्ता पक्ष तथा विपक्ष में इसको लेकर चल रही तीखी बहस के बीच सभापति सी पी राधाकृष्णन ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को 'मणिपुर माल एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक 2025' को चर्चा तथा पारित कराने के लिए सदन में रखने को कहा तो विपक्षी दलों के सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन कर दिया।

बरेली में आज़म खां के रिश्तेदार के दो बारातघरों पर चला बुलडोज़र

बरेली। उत्तर प्रदेश में बरेली हिंसा से जुड़े लोगों पर प्रशासन लगातार सख्ती बरत रहा है। मंगलवार सुबह सूफीटोला इलाके में भारी पुलिस बल और पीएसी की मौजूदगी में बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) की टीम ने समाजवादी पार्टी के नेता आज़म खां के रिश्तेदार सरफराज़ वली खां के अवैध रूप से बने दो बारातघरों पर बुल्डोजर चला दिया। इस दौरान महिलाओं ने विरोध जताकर कार्रवाई में विघ्न डालने कीकोशिश कीं लेकिन पुलिस के सामने उनकी एक न चली। बरेली हिंसा में तौकीर रजा और उनके कई समर्थकों के संलिप्तता सामने आने के बाद प्रशासन लगातार अवैध निर्माण को ध्वस्त करने में जुटा हुआ है।

पांच वर्षों में 23 संगठन अवैध घोषित : केंद्र

नई दिल्ली। भारत सरकार किसी भी प्रकार की गैरकानूनी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस (शून्य सहनशीलता) नीति अपनाती है। पिछले पांच वर्षों में सरकार ने 23 संगठनों को गैरकानूनी घोषित किया है। यह कार्रवाई गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के प्रावधानों के तहत की गई है। यह जानकारी गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।गृह राज्यमंत्री राय ने बताया कि राष्ट्र की संप्रभुता, एकता, अखंडता और सुरक्षा के विरुद्ध गतिविधियों में लिप्त किसी भी संगठन के खिलाफ सख्त और सतत कदम उठाए जाते रहे हैं।

यूपी का शीतकालीन सत्र 15 दिसंबर से शुरू होने की संभावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● पंचायत चुनाव से पहले आएगा अनुपूरक बजट; ग्रामीण विकास, पेयजल, आवास और सड़क योजनाओं को मिल सकती है बढ़ी प्राथमिकता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश का शीतकालीन सत्र 15 दिसंबर से शुरू होने की संभावना है। विधानसभा और विधान परिषद का यह सत्र भले छोटा होगा, लेकिन कई बड़े निर्णय लिए जाने की उम्मीद है। पंचायत चुनाव करीब होने के कारण सरकार इस सत्र में अनुपूरक बजट पेश करने की तैयारी में है। सरकार का फोकस ग्रामीण क्षेत्र की योजनाओं पर रहने की संभावना है। अनुपूरक बजट में ग्रामीण विकास, स्वच्छ पेयजल व्यवस्था, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास

योजनाएँ तथा ग्रामीणऽशहरी सड़क निर्माण परियोजनाओं पर विशेष जोर दिया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, सरकार कई अध्यादेशों से जुड़े विधेयक भी सदन में पेश करेगी, ताकि उन्हें विधायी मंजूरी मिल सके। सत्र छोटा होने के बावजूद इसे राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि पंचायत चुनाव से पहले सरकार ग्रामीण ढांचे को मजबूत करने और विकास योजनाओं की रफ्तार बढ़ाने पर जोर दे सकती है।

काशी और तमिलनाडु के प्राचीन आध्यात्मिक संबंधों के केंद्र में स्वयं शिव : योगी

● योगी और धर्मेंद्र प्रधान ने किया 'काशी तमिल संगमम्- 4.0' का शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। काशी तमिल संगमम 4.0 का मंगलवार को नमो घाट पर भव्य शुभारंभ करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'वणक्कम काशी' और 'हर हर महादेव' के उद्घोष के साथ तमिलनाडु से आए सभी अतिथियों का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से काशी तमिल संगमम-4.0 का शुभारंभ हो रहा है।

तीनों लोकों में अनुपम, मोक्षदायिनी और सर्वविद्या की राजधानी काशी में रामेश्वरम की पावन धरती से पधारे सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत है।

उन्होंने कहा कि काशी तमिल संगमम 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को सुदृढ़ और जीवंत करने वाला आयोजन है। आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो स्वप्न देखा था, वह अब साकार हो रहा है। काशी और तमिलनाडु के प्राचीन संबंधों के केंद्र में स्वयं भगवान शिव हैं। आदि शंकराचार्य ने चार पीठों की स्थापना कर इस संबंध को और मजबूत किया।

योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आप सभी को काशी की शिव भक्ति, प्रयागराज के पवित्र संगम तीर्थ और अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन का अद्भुत सौभाग्य प्राप्त होगा। यह आयोजन उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक नए द्वार खोल रहा है। इस बार 'आओ तमिल सीखें' थीं के माध्यम से प्रधानमंत्री के 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के स्वप्न को और मजबूती मिलेगी।

काशी तमिल संगमम का एक महत्वपूर्ण आकर्षण 'तेन काशी से काशी तक' कार रैली है, जो लगभग दो हजार किलोमीटर की यात्रा पूरी कर यहां पहुंचेगी। यह आयोजन ज्ञान, साधना, सभ्यता और सांस्कृतिक एकता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

आरएसएस का शताब्दी वर्ष अभियान: 20 करोड़ परिवारों तक पहुंचने का लक्ष्य

● लखनऊ में 2,500 विशिष्ट परिवारों का चयन, राष्ट्रीय प्रस्तावना परिवार को भी जोड़ा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष के अंतर्गत देशभर में 20 करोड़ परिवारों तक संपर्क स्थापित करने का बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है।

इस मिशन के तहत राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह के दौरान संघ कार्यकर्ताओं ने 13 करोड़ परिवारों तक पहुँच बनाते हुए महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की थी। इसी क्रम में लखनऊ महानगर में 2,500 विशिष्ट परिवारों को संपर्क सूची में शामिल किया गया है।

इसी श्रंखला में आज अभियान के शहर संपर्क प्रमुख बृजेश पांडे, अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. पवन पुत्र बादल, तथा परिषद के पदाधिकारी डॉ. बलजीत श्रीवास्तव ने 'राष्ट्रीय प्रस्तावना मीडिया समूह' से भेंट कर उन्हें भी इस अभियान से जोड़ लिया। टीम ने 'राष्ट्रीय प्रस्तावना परिवार' को संघ का साहित्य प्रदान किया। इस अवसर पर मौजूद थे।

संस्थापक एवं प्रधान संपादक संजीव श्रीवास्तव, ब्यूरो चीफ पियूष त्रिपाठी, विशेष संवाददाता मनोज शुक्ल, आशीष कुमार मौर्य RSS का यह राष्ट्रव्यापी संपर्क अभियान लगातार जारी है।

संघ का कहना है कि जब तक निर्धारित 20 करोड़ परिवारों का लक्ष्य पूरा नहीं हो जाता, तब तक टीम युद्ध स्तर पर कार्य करती रहेगी।

गृह मंत्री की बेटी को अगवा करने वाला 35 साल बाद गिरफ्तार

● 1989 की हाई-प्रोफाइल किडनैपिंग केस में CBI की बड़ी कार्रवाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

श्रीनगर। 1989 में तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण मामले में 35 साल से फरार चल रहे आरोपी शफात अहमद सांगलू को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया है। सीबीआई की टीम ने उसे श्रीनगर से पकड़ा। शफात सांगलू पर आरोप है कि उसने

आतंकी संगठन जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (JKLF) के सरगना यासीन मलिक और अन्य साथियों के साथ मिलकर इस हाई-प्रोफाइल किडनैपिंग को अंजाम दिया था। यह मामला उस समय देश की राजनीति और सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया था। घटना के बाद अपहरणकर्ताओं ने रुबैया की रिहाई के बदले आतंकियों को छोड़ने की मांग रखी थी। परिस्थितियों के दबाव में भारत सरकार को 5 आतंकियों को रिहा करना पड़ा था। इस कदम ने देश की सुरक्षा नीति पर लंबे समय तक सवाल खड़े किए थे। CBI इस मामले की पुनः जांच और मुकदमे को आगे बढ़ाने में जुटी है। शफात सांगलू की गिरफ्तारी को 35 साल पुराने इस केस में एक बड़ी प्रगति माना जा रहा है।

क्या चौथी बार यूपी से होगा यूपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष?

केशव मौर्य और डॉ. दिनेश शर्मा दो सबसे बड़े दावेदार

मनोज शुक्ला

लखनऊ। बिहार चुनाव के परिणामों के बाद दिल्ली में भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर मंथन तेज हो गया है। चर्चा में कई बड़े नाम हैं, लेकिन सबसे ज्यादा सुर्खियों में दो चेहरे–उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और राज्यसभा सदस्य, पूर्व डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा–जिन्हें पार्टी हाईकमान गंभीरता से विकल्प के रूप में देख रहा है। अगर इन दोनों में से किसी एक को अध्यक्ष बनाया गया, तो यह चौथी बार होगा जब भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश से आएगा।

केशव मौर्य–पिछड़े वर्ग का सबसे बड़ा चेहरा, संघ का भरोसेमंद नाम-बजरंग दल और VHP से राजनीति यात्रा शुरू करने वाले केशव मौर्य का भाजपा संगठन में 40 साल का अनुभव है। 2016 में उन्हें ठ्ठ भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाकर पार्टी ने बड़ा दांव खेला था–परिणाम ऐतिहासिक रहा। 2017 विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 312 सीटों की रिकॉर्ड जीत दर्ज की। यही कारण है कि भाजपा–विशेषकर आरएसएस–उन्हें पिछले वर्गों में सबसे मजबूत चेहरा मानती है। हाल ही में बिहार चुनाव में बड़ी भूमिका दिए जाने के बाद केशव की दावेदारी और मजबूत मानी जा रही है।

केशव के पक्ष में: -पिछड़े वर्ग का सबसे बड़ा चेहरा–उत्तर भारत में बड़ा संदेश, संघ का भरोसा, मोदी-शाह की नजदीकी लाइन, कार्यकर्ताओं पर मजबूत पकड़, लोकप्रियता, विपक्ष के पीडीए नैरेटिव को संतुलित करने की क्षमता।

केशव की राह में रोड़े:- राष्ट्रीय अध्यक्ष की दौड़ में शिवराज, खट्टर, धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव जैसे बड़े दांवेदार।

ब्राह्मण और अगड़ी जातियों में

संदेश को लेकर पार्टी में चिंता, उनके नाम को लेकर पार्टी का एक धड़ा असहमत- डॉ. दिनेश शर्मा–ब्राह्मण चेहरा, संगठन-सरकार दोनों में लम्बा अनुभव, डॉ. दिनेश शर्मा भाजपा के उन चुनिंदा नेताओं में हैं, जिन्होंने लगातार तीन दशक तक संगठन, सरकार और सदन में प्रभावी भूमिका निभाई। विश्वविद्यालय से प्रोफ़ेसर, फिर मेयर, उपमुख्यमंत्री और अब राज्यसभा सदस्य–उनका राजनीतिक सफर स्थिर और मजबूत माना जाता है। भाजपा के अंदर उन्हें 'संतुलन बनाने वाला चेहरा' माना जाता है, जो संगठन, सरकार और आरएसएस तीनों में स्वीकार्य हैं।

डॉ. शर्मा के पक्ष में :- ब्राह्मण वोटबैंक पर मजबूत प्रभाव–ठ्ठ के साथ उत्तर भारत में असर, संघ और केंद्रीय नेतृत्व का भरोसेमंद चेहरा, सरकार, संगठन और सदन का व्यापक अनुभव, दक्षिण भारत में भी ब्राह्मण कनेक्ट से लाभ।

कमजोरियां:- पिछड़े वर्ग पर भाजपा का वर्तमान 'फोकस मिशन', पूरी राजनीति UP-केन्द्रित रही, पार्टी में कई ताकतवर पिछड़े चेहरों की मौजूदगी।

राजनाथ से मुलाकात के बाद बढ़ा केशव का वजन

राजनाथ सिंह से हालिया मुलाकातों के बाद एक बार फिर राजनीतिक गलियारों में केशव के नाम की चर्चा तेज है। इसके पहले वे अमित शाह और जेपी नड्डा से भी मिल चुके हैं। यह संकेत है कि वे शीर्ष नेतृत्व की 'विचार सूची' में शामिल हैं। सिराथू से 2022 में चुनाव हारने के बाद भी उपमुख्यमंत्री बनाए जाने ने उनके महत्व को और स्पष्ट किया था।

दिनेश शर्मा–तीन दशक का लगातार सफर

1993 में युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बने। दो बार लखनऊ के मेयर रहे। 2014 में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और गुजरात प्रभारी बनाए गए। 2017ऽ22 तक यूपी के डिप्टी सीएम रहे। आज भी भाजपा के उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिनके पास– संगठन + सरकार + सदन–तीनों का बेहतरीन अनुभव है।

कौन बनेगा 12वां राष्ट्रीय अध्यक्ष?

जेपी नड्डा का कार्यकाल जून 2024 में समाप्त, पर वे अभी कार्यभार संभाल रहे हैं। भाजपा का फोकस इस समय दो चीजों पर है– 1-जातीय संतुलन, 2-2027-2029 की चुनावी रणनीति, ऐसे में राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन बेहद रणनीतिक माना जा रहा है। उम्मीद है कि भाजपा कुछ ही दिनों में नाम का ऐलान कर सकती है।

अब तक के बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष (1980-2024), 1. अटल बिहारी वाजपेयी (1980-1986) यूपी। 2. लालकृष्ण आडवाणी (1986-1991)। 3. मुरली मनोहर जोशी (1991-1993) यूपी। 4. लालकृष्ण आडवाणी (1993-1998)। 5. कुशाभाऊ ठाकरे (1998-2000)। 6. बंगारू लक्ष्मण (2000-2001)। 7. जेना कृष्णमूर्ति (2001-2002)। 8. वेंकैया नायडू (2002-2004)। 9. लालकृष्ण आडवाणी (2004-2006)। 10. राजनाथ सिंह (2006-2009) यूपी। 11. नितिन गडकरी (2009-2013)। 12. राजनाथ सिंह (2013-2014) यूपी। 13. अमित शाह (2014-2020)। 14. जेपी नड्डा (2020-अब तक)। इस सूची में वाजपेयी, मुरली मनोहर जोशी और राजनाथ सिंह–तीन बार यूपी से राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। अब चौथी बार फिर यूपी से नाम सामने है।

उप्र में मदर ओरिएंटेशन को गति, अब मां बनेगी सीख की पहली आवाज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- बच्चे की शुरुआती सीख, पोषण और व्यवहार को दिशा देने में मां की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्णः संदीप सिंह
- मदर ओरिएंटेशन कार्यक्रम को गति देने के लिए राज्यव्यापी ऑनलाइन उन्मुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लखनऊ। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के नेतृत्व एवं निर्देशन में उत्तर प्रदेश में बाल वाटिका शिक्षा को परिवार की सहभागिता से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल हुआ, जब मंगलवार को मदर ओरिएंटेशन कार्यक्रम को गति देने के लिए राज्यव्यापी ऑनलाइन उन्मुखीकरण आयोजित किया गया। मंगलवार को हुए इस विशेष यूट्यूब सत्र में नोडल एसआरजी, नोडल शिक्षक संकुल, प्रधानाध्यापक, बाल वाटिका नोडल अध्यापक, आंगनबाड़ी कार्यकत्री और बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की सुपरवाइज़र ने सहभागिता की।

इस उन्मुखीकरण का केंद्रीय संदेश स्पष्ट था कि बच्चे की शुरुआती सीख वहीं से शुरू होती है, जहां मां बोलना शुरू करती है और इसी सोच के साथ बाल वाटिका शिक्षा में मातृभूमिका को केंद्र में रखकर मासिक मदर ओरिएंटेशन कार्यक्रमों को सशक्त किया जा रहा है। बता दें कि कार्यक्रम के अंतर्गत राज्यभर के को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों में 3 से 6 वर्ष के बच्चों की प्रारंभिक सीख, भाषा-विकास, पोषण, व्यवहारिक आदतों और घर-आधारित गतिविधियों को परिवार की भागीदारी से व्यवस्थित करने पर विशेष फोकस है।

फाउंडेशनल स्टेज में सीखने की असमानताओं को कम करने और बच्चों को 'स्कूल-रेडी' बनाने में परिवार की भूमिका निर्णायक है। आज का उन्मुखीकरण यह ध्यान में रखकर किया गया कि अब यूपी की प्रारंभिक शिक्षा नीति केवल कक्षाकक्ष तक सीमित नहीं रहे, बल्कि घर और परिवार को भी सीख की यात्रा का सक्रिय सहभागी बना रही है। माना जा रहा है कि इस राज्यव्यापी पहल से उम्मीद है कि आने वाले महीनों में बाल वाटिका स्तर पर सीखने का वातावरण और अधिक समृद्ध, सहभागी और प्रभावी रूप में विकसित होगा तथा हर बच्चे को जीवन की पहली सीख एक मजबूत आधार पर मिलेगी।

सत्र में प्रतिभागियों को बालवाटिका और आंगनबाड़ी स्तर पर सीख के माहौल को प्रभावी बनाने और बच्चे की सीखने की प्रक्रिया में परिवार (विशेषकर मां) के सक्रिय

रूप से सम्मिलित होने के बारे में विस्तार से बताया गया। ज्ञातव्य हो कि मासिक ओरिएंटेशन कार्यक्रम इसीलिए तैयार किए गए हैं कि घर-विद्यालय समन्वय मजबूत हो और बच्चे की भाषा, समझ, जिज्ञासा और आत्मविश्वास समान गति से विकसित हों। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि मदर ओरिएंटेशन कार्यक्रम प्री-प्राइमरी शिक्षा की गुणवत्ता को परिवार की सहभागिता से जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम है। बच्चे की शुरुआती सीख, पोषण और व्यवहार को दिशा देने में माँ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह पहल पूरे प्रदेश में अभिभावक-विद्यालय साझेदारी को नई मजबूती प्रदान करेगी। प्रशिक्षण में मातृभाषा में संवाद, सरल कहानी-कथन, बातचीत, खेल-आधारित गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया गया। यह भी बताया गया कि बच्चों के साथ बिताया गया गुणवत्तापूर्ण समय, फाउंडेशनल लर्निंग की सबसे मजबूत नींव रखते हैं। इसके अलावा प्रतिभागियों को मदर ओरिएंटेशन कार्यक्रम में शामिल किए जाने वाले मुख्य बिंदुओं, गतिविधियों और उनकी चरणबद्ध तैयारी के बारे में विस्तार से निर्देश दिए गए। मदर ओरिएंटेशन कार्यक्रम जुलाई 2025 से मार्च 2026 तक प्रदेशभर के सभी को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों में प्रतिमाह आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए नोडल एसआरजी, नोडल शिक्षक संकुल, प्री-प्राइमरी नोडल शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकत्री और बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की सुपरवाइजर्स चरणबद्ध प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है ताकि गतिविधियों का संचालन बच्चों और अभिभावकों तक सही रूप में पहुंचे। इस सम्बंध में महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी का कहना है कि राज्यव्यापी उन्मुखीकरण मदर ओरिएंटेशन कार्यक्रम को प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल माता-बच्चा संवाद, घर-आधारित सीख और बालवाटिका गतिविधियों को मजबूत करेगी तथा को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों में एनईपी-2020 की भावना को और अधिक सुदृढ़ करेगी।

कांग्रेस, सपा और इंडी गठबंधन एसआईआर की वजह से बौखलाये: केशव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उप-मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों ने मीडिया को संबोधित किया और मतदाता सूची संशोधन तथा एसआईआर प्रक्रिया पर विपक्ष को घेरा। कैबिनेट बैठक के बाद नेताओं ने मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया और विपक्षी दलों के रुख पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन एसआईआर की वजह से बौखला गए हैं, क्योंकि वे देश को लूटने की साजिश कर रहे थे। जबकि देश एसआईआर का वेलकम कर रहा है। डिप्टी सीएम केशव मौर्या ने कहा की 2047 तक की कांग्रेस और कांग्रेस के सहयोगी का सत्ता में आने का सपना, सपना रह जाएगा। उन्होंने कहा मतदाता सूची संशोधन न रुकने वाला है और न रुकेगा। उन्होंने सपा और कांग्रेस पर बूथ लूटने का आरोप लगाया और कहा कि कोई भी घुसपैठिया मतदाता सूची में नहीं रहेगा। उन्होंने बीएलओ से विपक्ष के बहकावे में न आने की अपील की। वहीं कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सपा और कांग्रेस झूठ का पुलिंदा फैला रही है। उन्होंने बूथों का हवाला देते हुए कहा कि अधिकारी अच्छे से काम कर रहे हैं और केवल स्वर्गवासी हो चुके लोगों के नाम कट रहे हैं, जिस पर विपक्ष को दिक्कत हो रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग गांव से शहरों में पलायन कर गए हैं, उनका नाम एक जगह होना चाहिए और इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो बाहर के नागरिक हैं उन्हें निकाला जाना चाहिए। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया को घुसपैठियों को बाहर करने के लिए बताया और कहा कि बिहार में कोई शिकायत नहीं आई।उन्होंने कहा कि संसद में विपक्ष का जिस तरह का रवैया है, पूरा देश देख रहा है।

निवेशकों को कोमोडिटी डेरिवेटिव्स पर जागरुक करने के लिए मास्टरट्रस्ट और एमसीएक्स ने मिलाया हाथ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। निवेशकों को कोमोडिटी ट्रेडिंग, खासतौर पर मैटल्स एवं एनर्जी सेगमेन्ट में आ रहे बदलावों के बारे में जागरुक करने के लिये मास्टरट्रस्ट ने मल्टी-कोमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) के साथ साझेदारी की घोषणा की है। लखनऊ में आज कोमोडिटी डेरिवेटिव्स पर निवेशक जागरुकता प्रोग्राम का आयोजन किया। सत्र का संचालन एमसीएक्स इन्वेस्टर सर्विस फंड (आईएसएफ) पहल के तहत किया गया, जिसका उद्देश्य निवेशकों को जागरुक बनाना था। यहां प्रतिभागियों को शिक्षित किया गया। प्रोग्राम में हाई नेट-वर्थ इंडीविजुअल्स (एचएनआई), सक्रिय निवेशकों एवं मार्केट में रूचि रखने वाले लोगों ने हिस्सा लिया, जो कोमोडिटी मार्केट के फंक्शन्स को समझना चाहते थे और यह जानना चाहते थे कि वे किस तरह विविध निवेश योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। कोमोडिटीज़ में बढ़ती रूचि को देखते हुए इस सत्र ने वैकल्पिक निवेश क्लास की भूमिका निभाई, जो वित्तीय साक्षरता को सशक्त बनाने की मास्टरट्रस्ट की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस सत्र ने क्षेत्र के निवेशकों को निवेश के फैसले सोच-समझ कर लेने के लिए प्रेरित किया। सत्र के दौरान कई विशेषज्ञों ने प्रेज़ेन्टेशन्स पेश की। इनमें डॉ रवि सिंह, चीफ़ रीसर्च ऑफिसर, मास्टर कैपिटल सर्विसेज़ लिमिटेड और नितिन साहु, मैनेजर-बिज़नेस डेवलपमेन्ट, एमसीएक्स शामिल थे। प्रवक्ताओं ने कोमोडिटी डेरिवेटिव्स से जुड़े मुख्य पहलुओं जेसे मार्केट डायनामिक्स, प्राइस डिस्कवरी मैकेनिज़्म, रिस्क मैनेजमेन्ट की तकनीकों एवं विनियामक सुरक्षा आदि पर विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों को पारदर्शी एवं मजबूत ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने में एमसीएक्स की भूमिका पर शिक्षित भी किया गया। साथ ही उन्हें स्ट्रैटेजिक हेजिंग टूल के रूप में कोमोडिटीज़ के इस्तेमाल के महत्व पर जागरुक बनाया गया। इस आयोजन ने प्रतिभागियों को यह समझने में मदद की किस तरह विश्वस्तरीय विकास कार्य कोमोडिटी की कीमतों को प्रभावित करते हैं और कैसे ट्रेडिंग की अनुशासित रणनीतियां एवं जोखिम मूल्यांकन के द्वारा लम्बी अवधि में निवेश के परिणामों में सुधार लाया जा सकता है।

लखनऊ में बेकाबू कार कई वाहनों से टकराई, दो की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सैरपुर थाना क्षेत्र स्थित आईआईएम रोड पर सोमवार देर रात को सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। छह से अधिक लोग घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। सैरपुर थाना प्रभारी मनोज कुमार कोरी ने बताया कि आईआईएम रोड पर आर-से लॉन के सामने सोमवार देर रात तेज रफ्तार कार अचानक बेकाबू हो गई और सामने खड़े व गुजर रहे कई वाहनों में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में छह से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा, जहां इलाज के दौरान दो लोगों ने दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान गुडंबा निवासी राजकुमार (37) और मिथलेश (40) के रूप में हुई हैं। ये दोनों कैटरिंग का काम करते थे। हादसे के समय वे अपने काम से लौट रहे थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। टक्कर मारने वाले कार चालक की भी हालत नाजुक है। मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय सांस्कृतिक पहचान का नया अध्याय: जयवीर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कैबिनेट बैठक ने प्रदेश के पर्यटन परिदृश्य को नई गति देने वाले तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को हरी झंडी दे दी। बैठक में अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण एवं संचालन के प्रस्ताव के साथ-साथ उत्तर प्रदेश अधीनस्थ पर्यटन सेवा नियमावली 2025 को मंजूरी और बागपत में अंतरराष्ट्रीय योग एवं वेलनेस सेंटर की स्थापना के प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने तीनों प्रस्तावों पर कैबिनेट की सहमति को प्रदेश में पर्यटन विकास के लिए ऐतिहासिक कदम बताया है। कैबिनेट ने अयोध्या में अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय निर्णय का मार्ग प्रशस्त किया है। श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर निर्माण, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा और धर्म ध्वजा स्थापना के बाद से अयोध्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। अयोध्या धाम में एक बड़े सांस्कृतिक संग्रहालय की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी, जिसे सरकार ने मंजूरी दी। मंत्रिपरिषद की स्वीकृति के अनुपालन में ग्राम मांझा जमधरा, तहसील सदर, जनपद अयोध्या की नजूल भूमि पर टाटा ग्रुप के सहयोग से सीएसआर फंड के माध्यम से विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण एवं संचालन हेतु एक त्रिपक्षीय एमओयू 3 सितम्बर 2024 को हस्ताक्षरित किया गया। मात्र1 रुपए वार्षिक धनराशि पर 90 वर्षों के लिए आवंटित 25 एकड़ भूमि के साथ 52.102 एकड़ का निःशुल्क हस्तांतरण पर्यटन विभाग के पक्ष में प्रस्तावित है। टाटा समूह द्वारा बनाए जाने वाले विश्व स्तरीय संग्रहालय का उद्देश्य प्राचीन मंदिर वास्तुकला शैलियों का विकास, सिद्धांतों, क्षेत्रीय शैलियों और साहित्य कलात्मक और ऐतिहासिक रुचियों के वस्तुओं आदि का व्यापक प्रदर्शन करना है। यह संग्रहालय अयोध्या आने वालों के लिए सुखद अनुभूति प्रदान करेगा। भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या आज विश्वस्तरीय धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन गंतव्य के रूप में तेजी से विकसित हो रही है। वर्तमान में प्रतिदिन 2 से 4 लाख यात्रियों का अयोध्या धाम आना इस बढ़ती लोकप्रियता का स्पष्ट संकेत है। राम मंदिर देशी-विदेशी पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रहा है। ऐसे में अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय का निर्माण एवं संचालन आगंतुकों के लिए एक विशेष उपहार होगा। यह परियोजना न केवल अयोध्या के सांस्कृतिक वैभव को वैश्विक मंच पर स्थापित करेगी, बल्कि आधुनिक विरासत संरक्षण, पर्यटन विकास और आर्थिक प्रगति का एक नया मॉडल भी प्रस्तुत करेगी। मंदिर संग्रहालय के निर्माण से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार का सृजन होगा व अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। एक अन्य प्रस्ताव के रूप में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ पर्यटन सेवा नियमावली-2025 को मंजूरी प्रदान की है। नई नियमावली के तहत प्रकाशन अधिकारी, अपर,जिला पर्यटन अधिकारी तथा पर्यटन सूचना अधिकारी के पदों का सृजन एवं विनियोजन किया गया है। अधिकारी स्तर के पदों पर चयन की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को दी गई है, जबकि अधीनस्थ सेवाओं के लिए भर्ती प्रक्रिया उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से सम्पन्न होगी। निर्धारित योग्यताओं, सेवा शर्तों और संरचित चयन प्रक्रिया के साथ यह नई व्यवस्था प्रदेश में पर्यटन संचालन, जनसंपर्क प्रबंधन तथा पर्यटक सहायता सेवाओं को और अधिक सुगम, पारदर्शी और कुशल बनाएगी। वर्तमान समय में विश्व भर में वेलनेस टूरिज्म की अवधारणा तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार ने जनपद बागपत के ग्राम हरिया खेड़ा, तहसील-बागपत स्थित 70.885 हेक्टेयर भूमि पर एक अंतर्राष्ट्रीय योग एवं आरोग्य केंद्र विकसित करने का प्रस्ताव आगे बढ़ाया है। यह परियोजना सार्वजनिक-निजी सहभागिता पीपीपी मोड के माध्यम से विकसित और संचालित की जाएगी। यह केंद्र योग, प्राकृतिक उपचार और वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देगा। सरकार का लक्ष्य अयोध्या को विश्वस्तरीय सुविधाओं के आधार पर संस्कृति और आस्था के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

रेलवे कर्मचारी के आश्रितों को मिली एक करोड़ रुपये का बीमा राशि

लखनऊ। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के रेलवे सेलरी पैकेज (आरएसपी) स्कीम के अंतर्गत दिवंगत कर्मचारी अनवर अली के आश्रितों को एक करोड़ की बीमा राशि प्रदान की गई। यह राशि स्व. अनवर अली की माता एवं आश्रित कमरून निशा को दी गई। अनवर अली ट्रैक मेंटेनर के पद पर वाराणसी इंजीनियरिंग विभाग में कार्यरत थे। उनकी बीते 25 मार्च को ड्यूटी के दौरान दुर्घटना में मौत हो गई थी। मंडल प्रशासन ने बताया कि आरएसपी योजना के अंतर्गत देय राशि के त्वरित भुगतान के लिए मंडल कार्मिक विभाग एवं बैंक अधिकारियों ने सभी आवश्यक औपचारिकताएँ समयबद्ध तरीके से पूरी कीं। कार्यक्रम के दौरान उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल ने दिवंगत कर्मचारी अनवर अली को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। मंडल प्रशासन ने आश्वासन दिया कि इस कठिन समय में परिवार को हरसंभव सहयोग और सहायता प्रदान की जाएगी।

हर मण्डल में खुलेगा जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र: कश्यप

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लोक भवन, लखनऊ में आयोजित कैबिनेट बैठक में प्रदेश के सभी 18 मण्डल मुख्यालयों पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र की स्थापना एवं संचालन राज्य सरकार के संसाधनों से किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। वर्तमान में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा केवल 37 जनपदों में जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र का संचालन किया जा रहा है, जिनमें से 11 ही मण्डल मुख्यालयों पर संचालित हैं। प्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने कहा कि योगी सरकार दिव्यांगजनों के सम्मान, सुरक्षा और समग्र सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 13 अक्टूबर को विभागीय कार्ययोजना के प्रस्तुतीकरण को अनुमोदित करते हुए मण्डल मुख्यालयों पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र स्थापित करने की दिशा में अग्रेतर कार्यवाही के निर्देश दिए थे, जिसके बाद कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को औपचारिक स्वीकृति दे दी। योगी सरकार द्वारा संचालित यह नई व्यवस्था दिव्यांगजनों के लिए सेवा-प्रदान को अधिक पारदर्शी, सुगम, समयबद्ध और प्रभावी बनाएगी। नव-स्थापित केन्द्रों के माध्यम से दिव्यांगजन सर्वेक्षण एवं चिह्ननांकन, दिव्यांग शिविरों का आयोजन, सहायक उपकरणों की मरम्मत, कृत्रिम अंगों का निर्माण व फिटमेंट, चाल और उपयोग प्रशिक्षण, उपकरण वितरण, दिव्यांगता की रोकथाम के लिए जागरूकता, प्रारम्भिक पहचान और सक्रिय हस्तक्षेप जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं का लाभ एक ही छत के नीचे प्राप्त कर सकेंगे।

एसकेडी एकेडमी का वार्षिक उत्सव प्रतिभा और गरिमा के भव्य प्रदर्शन के साथ संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। एसकेडी एकेडमी का शानदार वार्षिक उत्सव 2025 आज संपन्न हो गया, जिसने संस्थान की विभिन्न शाखाओं में सांस्कृतिक जीवंतता, शैक्षणिक समारोहों और छात्रों के शानदार प्रदर्शनों से भरे कई दिनों की पराकाष्ठा को चिह्नित किया। ग्रैंड फिनाले ने संस्थान की उस परंपरा को बनाए रखा, जिसमें यह आयोजन न केवल छात्रों की प्रतिभा का प्रदर्शन होता है, बल्कि गणमान्य सरकारी और सामाजिक हस्तियों तथा एसकेडी समूह के मुख्य नेतृत्व की उपस्थिति वाला एक महत्वपूर्ण सामुदायिक समारोह भी होता है। मनीष सिंह, निदेशक, एसकेडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन, ने अपनी सराहना व्यक्त करते हुए कहा यह वार्षिक उत्सव केवल एक वार्षिक समारोह नहीं हैय यह एसकेडी परिवार के भीतर निहित अपार क्षमता और सामूहिक भावना का एक महत्वपूर्ण प्रदर्शन है। अपने छात्रों को ऐसे जुनून, अनुशासन और रचनात्मकता के साथ प्रदर्शन करते देखना हमें अद्वितीय गौरव से भर देता है। हम एक ऐसा वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जहाँ प्रतिभा को पहचाना जाए, मूल्यों को बरकरार रखा जाए और हर छात्र को चमकने का एक मंच मिले। इस शानदार उपलब्धि के लिए सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को बधाई! निशा सिंह, उप निदेशक, और श्रीमती कुसुम बत्रा, सहायक निदेशक (शैक्षणिक), ने अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ और प्रशंसा व्यक्त की हम उन सभी छात्रों को अपना हार्दिक आशीर्वाद भेजते हैं जिन्होंने इस मंच को जीवंत कर दिया। आपकी ऊर्जा, उत्साह और कड़ी मेहनत इस उत्सव का दिल थे। हम इस वर्ष प्राप्त उच्च मानकों की वास्तव में सराहना और प्रशंसा करते हैं। मुख्य अतिथि रणवीर सिंह, प्रमुख सचिव, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, उ.प्र. डॉ. प्रदीप सिंह जेडी, संयुक्त शिक्षा निदेशक, 6वां मंडल, उ.प्र. मुख्य अतिथियों ने एसकेडी एकेडमी की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान छात्रों को शिक्षाविदों से परे अपनी क्षमता का पता लगाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रेरणादायक लघु नाटक, जीवंत नृत्य प्रस्तुतियाँ और संगीत कार्यक्रम शामिल थे, जिन्हें दर्शकों से भरपूर सराहना मिली। दोनों स्थानों पर वार्षिक उत्सव 2025 की सफलता, श्री एस.के.डी. सिंह जी, अध्यक्ष, एस.के.डी. ग्रुप, के मूलभूत दृष्टिकोण और संपूर्ण एकेडमी स्टाफ के समर्पित प्रयासों को दर्शाती है। इस आयोजन ने कला और संस्कृति के उत्सव को शैक्षणिक और सह-पाठ्यचर्या संबंधी उपलब्धियों की पहचान के साथ प्रभावी ढंग से जोड़ा, जिससे गुणवत्तापूर्ण, मूल्य-आधारित शिक्षा के ध्वजवाहक के रूप में एकेडमी की प्रतिष्ठा मजबूत हुई। प्रबंधन ने गणमान्य अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से, छात्रों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिनके उत्साह और कड़ी मेहनत ने उत्सवों को जीवंत कर दिया, और आने वाले वर्ष के लिए एक और भी उच्च मानक स्थापित किए।

एलयू कैंपस में डिग्री कॉलेज की महिला शिक्षक फिसली, देर से पहुंची एम्बुलेंस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय कैंपस में मंगलवार को हिंदी विभाग के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची करामात डिग्री कॉलेज की एक महिला शिक्षक अचानक फिसल कर गिर गई। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह उन्हें संभाला और अस्पताल ले जाने के लिए एम्बुलेंस बुलाई गई। पर एम्बुलेंस पहुंचने में काफी समय लग गया।काफी देर बाद जब एम्बुलेंस पहुंची भी तो उसमें स्ट्रेचर नदारद थी। इसी मुद्दे पर बाद में छैन्प और युवजन छात्र सभा से जुडे स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रार को ज्ञापन भी सौंपा। छात्रों की मांग थी कि विश्वविद्यालय कैंपस में किसी भी आपातकालीन स्थिति में निपटने के लिए एम्बुलेंस समेत सभी व्यवस्था दुरुस्त होनी चाहिए। दरअसल, मंगलवार को हिंदी विभाग के कार्यक्रम में करामात डिग्री कॉलेज की हिंदी विभाग की शिक्षक डॉ.बीना पांडेय अचानक फिसल कर गिर गई। इस दौरान वो अचेत हो गई। हालत बिगड़ती देख तत्काल एम्बुलेंस बुलाई गई। इस बीच काफी समय बीत जाने के बाद भी एम्बुलेंस न आने पर लोगों में आक्रोश दिखा। आधे घंटे बाद जब एम्बुलेंस मौके पर पहुंची तो महिला शिक्षक को एम्बुलेंस तक ले जाने के लिए उसमें स्ट्रैचर तक नहीं था। इसके बाद किसी तरह मौके पर मौजूद स्टाफ और स्टूडेंट्स ने महिला शिक्षक को उठाकर एम्बुलेंस तक ले गए। फिर उन्हें डॉक्टर के पास ले जाया गया। महिला शिक्षक की तबीयत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

एसटीएफ का फरार सिपाही आलोक सिंह गिरफ्तार, कफ सिरप मामले में तलाश थी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। एसटीएफ का बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह आखिरकार लखनऊ से गिरफ्तार हो गया। एसटीएफ ने मंगलवार को उसे पकड़ा। एक दिन पहले ही लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। आलोक कोडीनयुक्त नशीले कफ सिरप मामले में फरार था। पूर्वांचल के बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह के साथ उसकी कई तस्वीरें हैं। कफ सिरप की तस्करी में कई गिरफ्तारियां होने के बाद आलोक सिंह विदेश भागने की फिराक में भी था। पूछताछ में आलोक ने एसटीएफ को बताया कि सरेंडर करने जा रहा था। लखनऊ कोर्ट में इसके लिए अर्जी भी दाखिल की थी। इससे पहले ही एसटीएफ ने उसे दबोच लिया। कफ सिरप कांड में अब तक कुल 3 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। आलोक से पहले 27 नवंबर को अमित सिंह टाटा, 30 नवंबर को भोला जायसवाल को पकड़ा गया था। आलोक का पैतृक घर चंदौली में है। लखनऊ में नाका के मोतीनगर में भी उसका घर है। साल- 2006 में प्रयागराज के कारोबारी से लखनऊ में 4 किलो सोना लूट लिया गया था। इस मामले में 5 पुलिसकर्मियों समेत 7 लोग आरोपी बनाए गए थे। आरोपियों मे दरोगा संतोष सिंह, बृजनाथ यादव, तत्कालीन लखनऊ क्राइम ब्रांच के सिपाही सुशील पचौरी, आलोक सिंह और संतोष तिवारी के साथ नीरज गुप्ता और सुभाष भी शामिल थे। पुलिस ने शुरुआती दौर में 3 किलो सोना बरामद करने का दावा किया था। इसके बाद आलोक और सुशील पचौरी को पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। हालांकि, मामला कोर्ट में जाने पर आलोक सिंह के पक्ष में फैसला आया। इसके बाद 27 सितंबर, 2022 में उसे सेवा में बहाल कर दिया गया था। इस बीच आलोक पर नाका क्षेत्र में व्यापारी से लूट समेत कई संगीन आरोप लगे। तब उसे लाइन हाजिर कर दिया गया। उसी दौरान उसकी नजदीकियां पूर्व सांसद धनंजय सिंह से बढ़ीं। इसके बाद वह रियल एस्टेट और अन्य कारोबार के जरिए प्रभावशाली बन गया। इसी बीच, 2019 में पूर्व सांसद धनंजय सिंह और आलोक सिंह पर आरोप लगा था कि हजरतगंज इलाके में मुख्तार अंसारी के प्रतिनिधियों पर जानलेवा हमला किया है। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि आलोक सिंह से पूछताछ में दुबई कनेक्शन और नेटवर्क को शह देने वाले लोगों के नाम सामने आ सकते हैं। उससे जुड़े रियल एस्टेट कारोबार, फर्जी फर्मों और स्लीपर सेल जैसी संरचना की भी जांच की जाएगी। खासतौर पर उन सफ़ेदपोशों और प्रभावशाली लोगों की भूमिका पर फोकस है, जिनके संरक्षण में यह सिंडीकेट फल-फूल रहा था। आलोक सिंह की गिरफ्तारी के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और यूपी एसटीएफ की संयुक्त पूछताछ की तैयारी है। ईडी को शक है कि 100 करोड़ से अधिक के इस अवैध कारोबार में मनी लॉन्ड्रिंग के पुख्ता साक्ष्य मिल सकते हैं। उसकी बैंकिंग ट्रांजैक्शन, विदेश यात्रा और संपर्कों का ब्योरा खंगाला जाएगा। अमित टाटा की गिरफ्तारी के अगले ही दिन उसके साथ धनंजय सिंह के फोटो-वीडियो वायरल होने लगे।

ब्रह्मोस मिसाइल के निर्माण के साथ रक्षा क्षेत्र की ऊंचाइयों तक पहुंचा प्रदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में निरंतर हो रहे विकास कार्यों ने उत्तर प्रदेश को डेवलपमेन्ट और डिफ़ेन्स का नया प्रतीक बनाया है। यहां की कानून व्यवस्था ने अभूतपूर्व सुधार के साथ देश में एक सुदृढ़ छवि बनायी है। प्रदेश में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन यहां पर कुशल एवं मजबूत नेतृत्व के परिणाम हैं।आज उत्तर प्रदेश किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ अब केवल तहजीब का शहर नहीं है, बल्कि यह तकनीक, उद्योग तथा डिफ़ेन्स मैन्युफैक्चरिंग का महत्वपूर्ण केन्द्र बन चुका है। हाल ही में माह अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड में ब्रह्मोस मिसाइल के प्रथम बैच का फ्लैग ऑफ किया जा चुका है। कुछ वर्षों में हम लखनऊ को रक्षा उत्पादन केन्द्र के रूप में विश्व मानचित्र पर चमकते हुए देखेंगे। ये स्वदेशी तकनीक पर आधारित सुपर सोनिक ब्रह्मोस मिसाइल है। यह स्वदेशी निर्माण देश व प्रदेशवासियों के लिए अत्यन्त गौरवपूर्ण है। लखनऊ में निर्मित मिसाइल देशवासियों की सुरक्षा तथा समृद्धि को संरक्षित करने की आश्वस्ति है। यह मिसाइल रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को प्रदर्शित करता है। इस प्रकार की मिसाइलों की सहायता से भारत स्वयं की रक्षा करने के साथ-साथ मित्र देशों की सुरक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम है। गौरतलब है कि प्रदेश में वर्ष 2018 में आयोजित प्रथम इन्वेस्टर्स समिट के दौरान प्रधानमंत्री जी ने देश में दो डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर की घोषणा की थी। इसमें से उत्तर प्रदेश के लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट आदि 06 नोड में डिफ़ेन्स मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के कार्य सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं। ब्रह्मोस मिसाइल की लखनऊ यूनिट में इंजीनियरिंग, आई0टी0आई0 तथा पॉलिटेक्निक आदि डिग्री/डिप्लोमा से युक्त युवा योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर अपने भविष्य को उज्ज्वल बना रहे हैं। डिफ़ेन्स मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के प्रदेश में स्थित 06 नोड में 15,000 से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। यह आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के लिए अब तक 2,500 एकड़ से अधिक भूमि उपलब्ध कराई जा चुकी है। लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल के निर्माण के साथ-साथ जनपद अमेठी में ए0के0 203 का निर्माण हो रहा है। प्रदेश में वेब्ले स्कॉट रिवॉल्वर का निर्माण भी किया जा रहा है। बताते चलें कि यदि प्रत्येक वर्ष 100 ब्रह्मोस मिसाइलों का निर्माण होगा तथा आने वाले समय में जब प्रतिवर्ष डेढ़ सौ ब्रह्मोस मिसाइलों के निर्माण की क्षमता उपलब्ध होगी, तो प्रदेश सरकार को प्रत्येक वर्ष डेढ़ सौ से दो सौ करोड़ रुपये जी0एस0टी0 के रूप में प्राप्त होंगे। अभी वर्तमान में प्रदेश सरकार द्वारा जनपद झांसी में नए इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए 56,000 एकड़ भूमि विकसित की जा रही है। झांसी तथा चित्रकूट में एक्सप्रेस-वे पर डिफ़ेन्स मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के नोड स्थित हैं। प्रदेश में डिफ़ेन्स मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के लिए आई0आई0टी0 कानपुर तथा आई0आई0टी0 बी0एच0यू0 में सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस पर भी कार्य किया जा रहा है।

एक जनप्रतिनिधि ऐसे भी....

राष्ट्रीय प्रस्तावना

सवायजपुर (हरदोई)। साथियों जैसा कि हम सभी जानते हैं कि पूरे उत्तर प्रदेश सहित देश के कई अन्य राज्यों में मतदाता पुनरीक्षण अभियान (SIR) का कार्य बड़ी ही तेजी से चल रहा हैं जिसमें हमारे प्रशासनिक अधिकारियों सहित बूथ लेवल पर कार्य कर रहे हमारे BLO दिन रात राष्ट्र हित में निरन्तर कार्य रहें हैं।

मंगलवार को विधानसभा क्षेत्र सवायजपुर से विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह 'रानू' ने अपने सवायजपुर बूथ संख्या 181 से 184 जो कि उनके पैत्रक गांव के बूथ हैं जहां वह स्वंय निवास करते हैं। उक्त बूथ लेवल बीएलओ आशीष श्रीवास्तव, श्यामू सिंह, अंजनी यादव, अनिल कुमार को राष्ट्र हित के इस महत्वपूर्ण कार्य में अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया। यह सम्मान उन सभी बूथ लेवल के अधिकारियों के लिए किसी उर्जा से कम नहीं हैं जब कार्य दबाव के चलते हमारे कई वीएलओ ने अनुचित कदम उठाए तथा कईयों को अपने उच्चाधिकारियों से दण्डात्मक कार्यवाही झेलनी पड़ी हो ऐसे बीच जब कोई जनप्रतिनिधि उनके बीच पहुंच कर उनके कार्यों की प्रशंसा सराहना करें तो वह निसंदेह प्रशंसनीय हैं।

17 वाँ श्री श्याम मासिक संकीर्तन हुआ सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। 17वाँ श्री श्याम मासिक संकीर्तन श्री खाटू श्याम संकीर्तन समिति के द्वारा आपके शहर हरदोई में मुहिम गली-गली ऐलान होना चाहिए हर जगह बाबा का गुणगान होना चाहिए के तत्वाधान में श्री खाटू श्याम संकीर्तन समिति का मासिक कीर्तन शहर के पावन भजन पावन स्थलय श्री राम बाल सेवा मन्दिर जूनियर हाई स्कूल आशा नगर कैनाल रोड, हरदोई में संपन्न हुआ। इसमें भजन गायक बुलंदशहर से चलकर बुलंदशहर की आन बान शान रोबिन शर्मा ने भजन गाया- **कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आड़ों है भजनों से भक्तों को झुमाया है।** दिल्ली से चलकर दिल्ली की आन बान शान, मोहन द्विवेदी महाराज ने भजन गया- **हारा हूं बाबा पर तुझ पर भरोसा है यूं ही तो आंसू आए नहीं मेरी कुछ तो श्याम मजबूरी है** और शहर के आन बान शान गोविन्द शर्मा ने भजन गाया- **तीन बाण के कलाधारी, कला मुझे भी दिखा दे तू, जैसे दर्शन सबको देता, वैसे मुझे करा दे तू, अब मैं खड़ा हूँ द्वार तुम्हारे, दोनों हाथ जोड़ के, लेने आजा खाटू वाले, रींगस के उस मोड़ पै।** हरदोई से गौरव पाण्डेय 3 नवम्बर को खाटू श्याम मन्दिर रथ यात्रा ले जाई गई 29 नवम्बर को हरदोई में रथ यात्रा श्री खाटू श्याम संकीर्तन समिति के द्वारा संपन्न हुआ और दूसरे दिन खाटू श्याम संकीर्तन समिति का भंडारा सिनेमा चौराहा मोनी बाबा मंदिर पर आयोजित किया गया। इसमें जरूरतमंदों ने भंडारा ग्रहण किया।

इस मौके पर श्याम सेवक आर्यन अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, धर्मेंद्र गुप्ता, अपूर्व गुप्ता, गौतम अग्रवाल, विकास गुप्ता, अंकित गुप्ता, नीरज अग्रवाल किराना, आकाश गुप्ता, विजेंद्र गुप्ता, अमर प्रकाश पांडे, इशू गुप्ता, शिबू गुप्ता, गौरव गुप्ता, सौरभ, दिव्यांश, शानू गुप्ता, अवध राज, अरुण अग्निहोत्री, सुमेर सिंह, अजय दीक्षित, प्रियम मिश्रा, शिवेंद्र त्रिवेदी, राकेश सिंह कनौजिया, दिनेश गुप्ता, संजय मिश्रा, सचिन शुक्ला, गौरव पांडेय, अमित गुप्ता, राहुल बाजपाई, उपेंद्र अग्निहोत्री आदि श्याम प्रेमी मौजूद रहे।

एसआईआर का कार्य शीघ्र सम्पन्न कराने के सख्त दिशा-निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कोथावाँ (हरदोई)। जिला कृषि अधिकारी सतीश चंद्र मिश्रा के द्वारा बूथ संख्या 94 प्राइमरी पाठशाला पुरवा बाजी राव का किया गया औचक निरीक्षण कार्य में पाई गई शिथिलता अभी तक लगभग 54 प्रतिशत लोगों ने ही फॉर्म जमा किए हैं बूथ लेवल अधिकारी के द्वारा लगातार ग्राम पंचायतों के ग्रामों में जा जाकर किया जा रहा कार्य उसके बाद भी ग्राम पंचायत के लोगों में नहीं दिखाई दे रही कोई रुचि जिसके कारण बूथ लेवल अधिकारी को झेलनी पड़ी फटकार। बूथ लेवल अधिकारी जितेंद्र कुमार बरनवाल को एसआईआर का कार्य शीघ्र संपन्न कराने के सख्त दिशा निर्देश एवं सतीश चंद्र मिश्रा व बूथ लेवल अधिकारी ने समस्त ग्राम वासियों से अपील की सभी लोग मिलकर बूथ लेवल अधिकारी का सहयोग करें जिससे कार्य को शीघ्र संपन्न कराया जा सके।

उपस्थित बूथ लेवल अधिकारी के सहयोग में ग्राम रोजगार सेवक जयप्रकाश पाठक कोटेदार, मनोज कुमार पाठक शिक्षामित्र अरुणा सिंह सफाई कर्मचारी अमर सिंह ग्राम आशा बहू माला सिंह एवं विद्यालय का समस्त स्टॉप उपस्थित उपरोक्त कार्य में अपना सहयोग प्रदान करता दिखा।

सचिव काली पट्टी बांधकर शासकीय कार्य करेंगे

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। विकास खण्ड के सचिवों ने प्रांतीय नेतृत्वकृग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन उत्तर प्रदेशकृके आवाहन पर क्रमिकए सांकेतिक एवं शांतिपूर्ण सत्याग्रह में भाग लेने का निर्णय लिया है। आंदोलन के तहत 1 दिसंबर से 4 दिसंबर तक सचिव काली पट्टी बांधकर शासकीय कार्य करेंगे और ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली सहित विभागीय दायित्वों से अतिरिक्त कार्यों का विरोध दर्ज कराएँगे। इस संबंध में ग्राम पंचायत अधिकारियों ने खंड विकास अधिकारी को पत्र सौंपकर अवगत कराया कि वे निर्धारित अवधि में प्रदेशव्यापी सत्याग्रह कार्यक्रम के अंतर्गत विरोध प्रदर्शित करेंगे। पत्र सौंपने के दौरान अरविंद कुमार, अनुज कुमार, आशुतोष, सोबरन लाल, मो० हसीन, मो० सगीर, धर्मवीर गौतम, हर्ष पटेल, नीरज कुमार और संजीव कुमार मौजूद रहे।

रामभद्राचार्य के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने पर बजरंग दल ने आपत्ति की

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। रामभद्राचार्य पर एक युवक द्वारा सोशल मीडिया पर की गई अभद्र टिप्पणी से नाराज बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने प्रभारी निरीक्षक को एक प्रार्थना पत्र देकर अभद्र टिप्पणी करने वाले युवक के खिलाफरिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है। बजरंग दल के नगर संयोजक लव कुश राठौर के अनुसार सवायजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गदरिया मजरा मूड़ेर निवासी दिव्यांशु कुशवाहा पुत्र सर्वेश कुशवाहा ने सोशल मीडिया पर जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य के खिलाफ अभद्र शब्दावली का प्रयोग किया है जिससे बजरंग दल तथा सनातन समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने प्रभारी निरीक्षक शाहाबाद को लिखित प्रार्थना पत्र देकर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है।

कोतवाली बेनीगंज पुलिस टीम की सतर्कता देख घबराए चोर, हुई मुठभेड़

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पुलिस टीम द्वारा जनपद में घटित भैंस चोरों की विभिन्न घटनाओं में संलिप्त 2 अभियुक्तों को पुलिस मुठभेड़ में 3 चोरी की गई भैंस 25000 लगदी घटना में प्रयुक्त पिकअप डाला UP12 BT9016 व अवैध शस्त्रों सहित गिरफ्तार किया गया। जनपद में अपराध की रोकथाम व वंचित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना बेनीगंज पुलिस उपरोक्त चोरी की घटनाओं से संबंधित वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु थाना क्षेत्र में भ्रमणशील थी इसी दौरान बेनीगंज कोतवाल ओमप्रकाश सरोज को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की भैंस चोरी की घटनाओं से संबंधित वंछित अभियुक्त कल्यानमल नैमिष रोड चोरी की गई भैंसों को बेचने के उद्देश्य से लेकर जा रहे थे इस सूचना पर बेनीगंज कोतवाल ओमप्रकाश सरोज अपनी टीम के साथ कल्यानमल नैमिष रोड पर पहुंचे जहां पर एक भैसे से लदी पिकअप जाती हुई दिखाई दी। पुलिस टीम द्वारा पिकअप को रुकने का इशारा किया गया तो अभियुक्तों द्वारा पिकअप भगाने का प्रयास किया गया जिस पर पुलिस टीम द्वारा पीछा किया गया तो हथिया घाट के निकट पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में फँस गया। पुलिस टीम द्वारा खुद को घिरा देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर किया गया जिस पर पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षा फायरिंग की गई जिसमें अभियुक्त फुरकान पुत्र उस्मान निवासी अघौरा थाना सिधौली जनपद सीतापुर बाएं पैर में गोली लगने से व शराफत पुत्र सानू निवासी ग्राम पालड़ी थाना शाहजहांपुर जनपद मुजफ्फरनगर दाएं पैर में गोली लगने से घायल हो गया जिसको पुलिस टीम द्वारा घायल अवस्था में मौके से गिरफ्तार किया गया व अंधेरे का फायदा उठाकर अभियुक्तों के 4 अन्य साथी मौके से फरार हो गए। अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की गई तीन भैंस एक आदत पिकअप डाला दो आदत तमंचा 12 बोर 2 जिंदा कारतूस व खोखा कारतूस बरामद किए गए। घायल अभियुक्त को उपचार हेतु चिकित्सालय ले जाया गया जहां पर उनकी स्थिति सामान्य है। पुलिस टीम द्वारा पूछताछ किए जाने पर ज्ञात हुआ कि अभियुक्तों द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर दिन के समय गांव में घूम कर रैकी कर भैंसों के बाधने के स्थान की तलाशी करते थे जहां से भैंस आसानी से चोरी की जा सके रात में पूर्व से चिन्हित स्थान पर पहुंच कर भैंस चोरी करके पिकअप डाला में लाद कर ले जाते थे जिन्हें अभियुक्तों के द्वारा वजन के हिसाब से एम के एग्रो फार्म के माध्यम से फ्रूट कंपनियों को बेंच देते थे। क्षेत्रीय ग्रामीणों द्वारा बेनीगंज कोतवाल ओम प्रकाश सरोज व उनकी पूरे पुलिस टीम की प्रशंसा की जा रही है पुलिस ने मामले में गंभीरता दिखाते हुए चोरों की गिरफ्तारी की पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

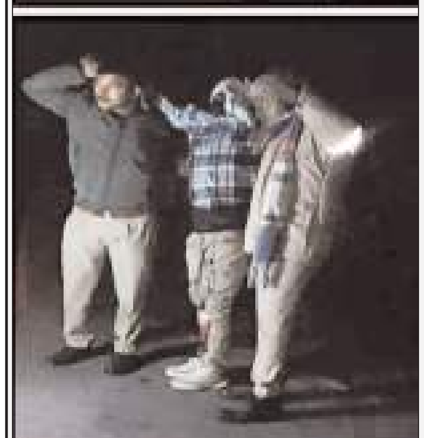

अश्लील फब्तियां कसने वाला गिरफ्तार

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बेहटा गोकुल पुलिस ने सोमवार की शाम को थानाक्षेत्र के टोडरपुर पुल के निकट से महिलाओं पर अश्लील फब्तियां कसने के आरोप में युवक को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की है। बेहटा गोकुल के उपनिरीक्षक मोहित कुमार और पुलिस बल ने मुखबिर की सूचना पर टोडरपुर पुल पर घेराबंदी कर एक वैवाहिक समारोह में जा रही महिलाओं और लड़कियों पर अश्लील फब्तियां कसने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।आरोपी ने पूछताछ में अपना नाम आलोक पुत्र होरीलाल निवासी भदेउना थाना बेहटा गोकुल बताया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की है।

रूसी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

लखनऊ। बाबू सुंदर सिंह गुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स (BSSGI) में 01 दिसंबर से रूसी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ उत्साहपूर्ण और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। दीप दृ प्रज्जवलन के पश्चात महानिदेशक प्रो० डॉ० के.के. सिंह ने रूसी भाषा की वैश्विक उपयोगिता और विद्यार्थियों के भविष्य में इसके महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में रूस से आई रूसी भाषा विशेषज्ञ प्रो० श्मेलेवा नतालिया व्लादिमीरोव्ना का स्वागत संस्थान की चेयरपर्सन रीना सिंह ने शॉल और पुष्प-गुच्छ भेंट कर किया। प्रो० नतालिया व्लादिमीरोव्ना ने विद्यार्थियों को रूसी भाषाए साहित्य, संस्कृति और इतिहास की समृद्ध परंपरा से परिचित कराया। समारोह का मुख्य आकर्षण Nizhny Novgorod State Pedagogical University (Russia) और BSSGI के मध्य हुआ MOU Signing रहा, जो दोनों संस्थानों के शैक्षणिक सहयोग, छात्र-विनिमय और संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों को नई दिशा देगा। चेयरमैन इंजीनियर आनंद शेखर सिंह ने अपने प्रेरक उद्बोधन में विद्यार्थियों को रूसी भाषा सीखकर अंतरराष्ट्रीय अवसरों का लाभ उठाने और वैश्विक मंच पर अपनी पहचान स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में रूसी भाषा के विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष अनुसंधान, उच्च शिक्षा और वैश्विक करियर में महत्व को भी रेखांकित किया गया।

समापन अवसर पर फ़ार्मेसी निदेशक डॉ० आलोक कुमार शुक्ला ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तक आयोजित होगा।

18वाँ वर्ष को वार्षिकोत्सव के रूप में धूमधाम से मनाया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। मंगलवार को शहीद उद्यान हरदोई में पतंजलि योग समिति हरदोई के जिला प्रभारी हरिबंश सिंह द्वारा संचालित निःशुल्क योग कक्षा का 18वां वर्ष को वार्षिकोत्सव के रूप मे खूब धूमधाम से मनाया गया। जिसमे योग यज्ञ और भजनव गीत गाए गए और प्रसाद का वितरण किया गया। उक्त अवसर पर शशिकला सिंह, रत्ना मिश्रा, शशौ मौर्या, रामजानकी मौर्या, महिला जिला प्रभारी विनीता पाण्डेय, दिलीप कुमार गुप्ता जिला युवा प्रभारी सौनू गुप्ता, रामनरेश गुप्ता, पी०के० पाण्डेय, विजय लक्ष्मी पाण्डेय, सीमा मिश्रा, सुमन वाजपेई, मीरा गुप्ता, रामशरण पाल आदि काफी संख्या में भाई बहनों भाग लेकर कार्यक्रम कौन सफल बनाया।

तीसरे दिन शाहाबाद नगर पालिका परिषद द्वारा 103 बंदरों को पकड़कर जंगल में छोड़ा गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। नगर पालिका परिषद द्वारा पिछले तीन दिनों से बंदर पकड़ने का कार्य किया जा रहा है। मंगलवार को सुबह ०8:00 बजे से दोपहर 12:00 तक 103 बंदरों को पकड़ा गया है। नगर पालिका परिषद द्वारा मथुरा से एक टीम बुलाई गई है जो बंदरों को पकड़ने का कार्य कर रही है। पिछले काफी दिनों से बंदरों के बढ़ते हुए आतंक के कारण शहर वासी और किसान काफी परेशान थे। नगर पालिका परिषद से लगातार बंदरों को पकड़वाने की मांग की जा रही थी। उसी क्रम में नगर पालिका परिषद द्वारा मथुरा से बंदर पकड़ने की एक टीम बुलाकर बंदरों को पकड़वाने का कार्य किया जा रहा है। मंगलवार को पालिका कर्मचारी रंजीत सिंह की देखरेख में टीम ने मोहल्ला चौक में जाल लगाकर लगभग 103 बंदरों को पकड़ा जिन्हें गोला गोकर्णनाथ के जंगलों में छोड़ दिया गया। बंदरों की संख्या कम होने की वजह से शहर वासी काफी राहत महसूस कर रहे हैं।

समय का सच

दुनिया में अगर कोई एक चीज ऐसी है जो अमीर-गरीब, ज्ञानी - अज्ञानी, राजा-रंक और साधु - पापी, सबको बराबर मिलती है, तो वह है वक्त। यही वह अदृश्य पूंजी है, जिसे न कोई चुरा सकता है, न बांट सकता है और न ही वापस पा सकता है। समय का यह न्याय इतना कठोर और निष्पक्ष है कि इतिहास के सभी निर्णय, सभी परिवर्तन और सभी क्रांतियां इसी की गोद में पली हैं। समय के तराजू में किसी की पहचान नहीं तौली जाती, केवल कर्म का भार मापा जाता है। एक ही सूरज सब पर समान रूप से उगता है। एक ही दिन सभी के लिए चौबीस घंटे का होता है, पर कोई उसी में स्वप्न साकार कर लेता है और कोई शिकायतें संजोकर सो जाता है। फर्क वक्त के वितरण में नहीं, बल्कि उसके उपयोग की दृष्टि में है। किसी ने उन चौबीस घंटों में भविष्य गढ़ लिया, किसी ने उन्हें पछतावे में गंवा दिया। हालांकि इसी दुनिया में ऐसे भी लोग हैं, जिनकी जीवन स्थितियां उनका अपना चुनाव नहीं है और अपने जीने के जद्दोजहद में उनका समूचा वक्त निकल जाता है। ऐसे लोग भी चाहते हैं कि उनके जीवन में इतना वक्त हो कि वे अपने या अपनों या फिर दुनिया के बारे में कुछ सोच सकें, कुछ जान सकें और उसके बाद अपने जीवन को कोई नई दिशा दे सकें, अपनी अभाव से भरी जीवन स्थितियों में बदलाव ला सकें। मगर अपने परिवार का पेट भरने या कहें कि उन्हें सिर्फ जिंदा भर रखने में वे अपने जीवन का पूरा वक्त लगा देते हैं। बहरहाल, यह समय का चमत्कार है कि यह समान मात्रा में बंटता है, पर उसका मूल्य व्यक्ति खुद तय करता है । जीवन दरअसल वक्त का दूसरा नाम ही है। हम सोचते हैं कि जीवन बीत रहा है, जबकि बीतता समय है हर बीतता पल हमें मृत्यु के एक क्षण पास ले जाता है, लेकिन साथ ही हर क्षण यह अवसर भी देता है कि हम उस बीतने को सार्थक बना सकें। मनुष्य का जीवनकाल समय का एक संक्षिप्त अनुबंध है। इसकी अवधि तय नहीं होती, पर इसका उपयोग पूरी तरह हमारे विवेक पर निर्भर होता है। कभी-कभी लगता है कि समय बहुत तेजी से भाग रहा है, पर सच यह है कि समय स्थिर है, भागता तो मनुष्य है अपनी इच्छाओं, महत्त्वाकांक्षाओं और असंतोष के पीछे। समय कभी बोलता नहीं, लेकिन उसका मौन सबसे प्रखर भाषा है। यह हर व्यक्ति को उसकी हैसियत, कीमत और नियति का बोध कराता है। कभी यह शिक्षक बनकर अनुशासन सिखाता है, कभी कठोर परीक्षक बनकर हमारे कर्मों का परिणाम दिखाता है। जो लोग समय के साथ चलना सीख जाते हैं, वे इतिहास रचते हैं, जो लोग समय को ठुकरा देते हैं, इतिहास उन्हें भुला देता है। बुद्ध के ध्यान से लेकर गांधी के सत्याग्रह और फिर उससे आगे विज्ञान की खोजों तक - हर परिवर्तन समय के साथ की गई साधना का परिणाम है। वक्त के सामने सबसे बड़ा भ्रम अहंकार है । राजा सोचता है, राज्य उसका है; व्यापारी सोचता है, धन उसका है; बुद्धिजीवी सोचता है, विचार उसके हैं। पर समय धीरे से हंसता है और कहता है- 'ये सब मेरे उधार हैं, एक दिन लौटा देने होंगे।' वक्त जब पलटता है, तो सिंहासन भी झुका देता है और भिखारी को भी प्रतिष्ठा दे देता है । यही उसका संतुलन है, यही उसका दार्शनिक सौंदर्य। जो व्यक्ति यह समझ लेता है कि 'मैं नहीं, समय बड़ा है', वही शांति पाता है। समय की साधना का अर्थ है- वर्तमान में जीना । भविष्य की चिंता और अतीत का बोझ मनुष्य को उस एकमात्र सत्य से दूर ले जाते हैं, जो उसके पास है- यह क्षण। दरअसल, वर्तमान ही समय का वास्तविक रूप है। न अतीत को पकड़ा जा सकता है, न भविष्य को छुआ जा सकता है। महर्षि पतंजलि ने योगसूत्रों में कहा- ' क्षणक्षणं युगवत भवति।' यानी हर क्षण में युगों की संभावना छिपी है । अगर कोई व्यक्ति हर क्षण को सच्चे मन से जी सके, तो वही क्षण उसके जीवन का स्वर्णयुग बन सकता है। समय के मूल्य को केवल वही जानता है, जिसने उसे खोया है। बीता हुआ पल किसी भी धन से खरीदा नहीं जा सकता । कभी-कभी हम सोचते हैं कि भविष्य में सब ठीक कर लेंगे, पर यह भूल जाते हैं कि भविष्य वही है, जो वर्तमान से बनता है। समय को आदर देना दरअसल अपने जीवन को आदर देना है। जो लोग समय को 'सहेजना' जानते हैं, वे जीवन की हर लड़ाई जीत लेते हैं। और जो उसे 'टालना' जानते हैं, वे धीरे-धीरे अपनी ही क्षमता को खो देते हैं। वक्त किसी का दुश्मन नहीं होता, लेकिन यह किसी के प्रति दयालु भी नहीं होता। यह बस अपना धर्म निभाता है- बहना, बदलना और सबको परखना। जो इसके साथ चलना सीख जाए, वह आगे बढ़ता है। जो इसके विरोध में जिये, वह ठहर जाता है।

समय के तराजू में किसी की पहचान नहीं तौली जाती, केवल कर्म का भार मापा जाता है। एक ही सूरज सब पर समान रूप से उगता है। एक ही दिन सभी के लिए चौबीस घंटे का होता है, पर कोई उसी में स्वप्न साकार कर लेता है और कोई शिकायतें संजोकर सो जाता है। फर्क वक्त के वितरण में नहीं, बल्कि उसके उपयोग की दृष्टि में है। किसी ने उन चौबीस घंटों में भविष्य गढ़ लिया, किसी ने उन्हें पछतावे में गंवा दिया। हालांकि इसी दुनिया में ऐसे भी लोग हैं, जिनकी जीवन स्थितियां उनका अपना चुनाव नहीं है और अपने जीने के जद्दोजहद में उनका समूचा वक्त निकल जाता है।

सपा सांसद जया बच्चन के बिगड़े बोल

प्रियंका कौशल

समाजवादी पार्टी की एक सांसद हैं जया बच्चन। देश में जाना पहचाना नाम है। हिंदी फिल्मों की अभिनेत्री हैं। पति अमिताभ बच्चन भी अभिनेता हैं। देश के प्रसिद्ध कवि , राज्यसभा सदस्य रहे पद्मविभूषण स्वर्गीय हरिवंश राय श्रीवास्तव (बच्चन) की बहू हैं। पिछले कुछ वर्षों से अपनी तुनक मिजाजी के कारण चर्चा में रहने वाली जया बच्चन ने एक विवादित बयान दिया है। उनका कहना है कि वे कभी नहीं चाहेंगी कि उनकी पोती विवाह करे। विवाह उनके लिए पुराना ''कॉन्सेप्ट'' है। जया बच्चन यहीं नहीं रुकीं, उन्होंने कहा कि उनकी पोती को अपने जीवन को ''एन्जॉय'' करना चाहिए। जया बच्चन ये बात बरखा दत्त के शो ''वी द वीमेन'' में कही। ये वही बरखा दत्त है, जिनपर भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं। जो नीरा राडिया टेप विवाद में फंसी थीं, जो 2-जी स्पेक्ट्रम घोटाला मामले से जुड़ा था। आयकर विभाग ने जब नीरा राडिया के फोन टैप किए, तो उसमें से बरखा दत्त और नीरा राडिया के बीच कॉर्पोरेट लॉबिस्टों और कांग्रेसी राजनेताओं के बीच संबंध और राजा की दूरसंचार मंत्री के रूप में नियुक्ति को प्रभावित करने की बातचीत सामने आई थी। साथ ही मुम्बई में 26/11 के आतंकी हमलों में अपनी रिपोर्टिंग से सेना के गोपनीय मूवमेंट का खुलासा करने पर लताड़ी गयी थी। ख़ैर, अभी बात जया बच्चन की, तो जब जया बच्चन विवाह जैसे पवित्र संस्कार पर मुंह बिचकाकर बात करती हुई नजर आती हैं, तो उनका असल चेहरा सामने आता है। उनकी बुद्धि पर तरस भी आता है। एक हिन्दू परिवार में जन्म लेने के बाद जया बच्चन विवाह को ''कॉन्सेप्ट'' शब्द से जोड़कर एक भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही हैं। साथ ही नई पीढ़ी की लड़कियों के सामने वामपंथी और पाश्चात्य नैरेटिव सेट करने की कोशिश भी करती दिखाई देती हैं। दरअसल जया बच्चन विवाह का निकाह, मैरिज जैसे शब्दों के साथ घालमेल करने की नाकाम कोशिश कर रही हैं। पहले फिल्मों में उनके पति अमिताभ बच्चन 786, दरगाह, मस्जिद, हज को ग्लोरीफाई करते नजर आते थे। हिन्दू देवी-देवताओं के सामने ''आज खुश तो बहुत होंगे तुम'' जैसे सलीम-जावेद द्वारा लिखित स्तरहीन डायलॉग बोलते दिखाई देते थे। मंदिर का बहिष्कार करना और चर्च, क्रॉस, दरगाह और 786 नम्बर को प्रमोट करना उनकी हर फिल्म की स्क्रिप्ट में अनिवार्य रूप से होता ही था। अब उनकी पत्नी समाजवादी पार्टी की नेता बनकर उसी लाइन को बढ़ाने में लगी हैं। हिंदू धर्म में चार पुरुषार्थ बताए गए हैं ,धर्म , अर्थ , काम और मोक्ष । विवाह संस्कार का उद्देश्य काम नामक पुरुषार्थ को पूरा करना और फिर धीरे-धीरे ' मोक्ष ' की ओर बढ़ना है। स्त्री और पुरुष के जीवन में कई महत्वपूर्ण बातें विवाह से जुड़ी होती हैं, जैसे सन्तान को जन्म देकर अपने वंश को बढ़ाना और पितृ ऋण से मुक्त होना। जीवन की विभिन्न सुखद घटनाओं का साक्षी बनना, गृहस्थ आश्रम को स्थापित करना, सामाजिक स्थिति और समृद्धि को प्राप्त करना इत्यादि। विवाह के बाद कई नए संबंधों द्वारा स्नेह और आदर दोनों प्राप्त करना। अपने घर के वरिष्ठजनों के अनुभव से जीवन मे सफलता पाना। अपनी सन्तति को संस्कारित करना, उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाना। घर के बड़े बूढ़ों की सेवा सुश्रुषा करना। हमारे समाज में विवाहित स्त्री को आदर के साथ देखा जाता है। माथे पर कुमकुम लगाए, गले में मंगलसूत्र , हरी-लाल चूड़ियां, बिछिया और छह या नौ गज की साड़ी पहने स्त्री को देखकर देखने वाले के मन में उसके प्रति स्वतः ही आदर उत्पन्न होता है। विवाह के पश्चात पत्नी, पुत्रवधू, मौसी, ननद आदि संबंधों के कारण स्त्री को स्वतः ही सम्मानजनक स्थान प्राप्त होता है। कोई भी स्त्री पत्नी और माता के रूप में घर, परिवार व समाज में उच्च स्थान प्राप्त करती है। शास्त्रों के विधि विधान के अनुसार विवाहित पुरुष पत्नी की अनुपस्थिति में यज्ञ, हवन जैसे धार्मिक संस्कार नहीं कर सकते। धार्मिक कार्यों में भी उनकी उपस्थिति महत्वपूर्ण होती है। कई रीति रिवाज, पूजा पाठ विवाहित स्त्रियों के बिना संपन्न नहीं होते। यह सम्मान हमारे यहां विवाहित स्त्रियों को प्राप्त होता है। हमारी संस्कृति में विवाह जन्म-जन्मांतर का साथ है। तलाक या डाइवोर्स शब्द हमारे शब्दकोश में नहीं है। जबकि निकाह या मैरिज कॉन्ट्रैक्ट जैसा बन्धन होता है। जब इस्लाम में मियां बीवी साथ नहीं रहना चाहते तो निकाह वाले तीन बार तलाक बोलकर अलग हो जाते हैं। यहाँ केवल शौहर को तलाक लेने का हक़है, मुस्लिम महिलाएं तलाक नहीं दे सकतीं, लेकिन ''खुला'' ले लेती हैं। वहीं ईसाई समुदाय में मैरिज करने वाले डाइवोर्स ले लेते हैं। निकाह एक कानूनी अनुबंध है जो ''शरिया'' के अनुसार होता है। दूल्हे को दुल्हन को एक निश्चित शुल्क देना पड़ता है, जिसे 'मेहर' कहा जाता है। मैरिज भी एक कानूनी बंधन है। अमेरिकन डिक्शनरी ख़्रद्दन्द्धथद्ध डद्दथ्यप्द्भ के अनुसार, मैरिज एक कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त अनुबंध है। जो कानून द्वारा विघटित हो सकता है। यह उत्तराधिकार और चिकित्सा संबंधी निर्णय लेने जैसे कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है। हमारे यहां विवाह जन्म और मृत्यु के बीच होने वाले सोलह संस्कारों में से एक है। जो न केवल वर वधु को, अपितु पूरे परिवार को ईश्वर को साधने के मार्ग प्रशस्त करता है। गृहस्थी हमारे यहां आश्रम कहलाती है। पवित्र अग्नि समेत प्रकृति के पांचों तत्वों, पूर्वजों, देवी-देवताओं, कुटुंब, समाज, मित्र, सम्बन्धी आदि की उपस्थिति में ईश्वर को साक्षी मानकर विवाह संस्कार सम्पन्न किया जाता है। ये केवल दो व्यक्तियों का नहीं, अपितु दो परिवारों, कुटुम्ब, समाज और राष्ट्र को जोड़कर रखने वाली प्रक्रिया है। जया बच्चन ने जिस तरह कहा है कि उनकी पोती जीवन को एन्जॉय करे, यह सुनकर याद आता है कि किस तरह न्यूयॉर्क में 1840 में फलांक्स नाम के कम्यून बनाये गए, जहां शादी अनिवार्य नहीं थी, फ्री लव का कॉन्सेप्ट था। 1848 में न्यूयॉर्क में ओनेडा कम्युनिटी बनाई गई, जहां कॉम्प्लेक्स मैरिज में हर पुरुष हर स्त्री का पति और हर स्त्री हर पुरुष की पत्नी मानी जाती थी। पश्चिम में ऐसे बीसियों उदाहरण हैं। फिल्मों से समाज का विघटन करते, सनातन पर आघात करने का षड्यंत्र करते करते अब इस तरह के नैरेटिव बनाने की कोशिश की जा रही है। इस तरह के बयानों का तत्काल विरोध करने की जरूरत है। जया बच्चन को अपने बच्चों का क्या भविष्य तय करना है, ये उनका व्यक्तिगत अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक रूप से हमारी सामाजिक व्यवस्था पर चोट करने का उनको कोई अधिकार नहीं है।

जया बच्चन ये बात बरखा दत्त के शो ''वी द वीमेन'' में कही। ये वही बरखा दत्त है, जिनपर भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं। जो नीरा राडिया टेप विवाद में फंसी थीं, जो 2-जी स्पेक्ट्रम घोटाला मामले से जुड़ा था। आयकर विभाग ने जब नीरा राडिया के फोन टैप किए, तो उसमें से बरखा दत्त और नीरा राडिया के बीच कॉर्पोरेट लॉबिस्टों और कांग्रेसी राजनेताओं के बीच संबंध और राजा की दूरसंचार मंत्री के रूप में नियुक्ति को प्रभावित करने की बातचीत सामने आई थी। साथ ही मुम्बई में 26/11 के आतंकी हमलों में अपनी रिपोर्टिंग से सेना के गोपनीय मूवमेंट का खुलासा करने पर लताड़ी गयी थी। ख़ैर, अभी बात जया बच्चन की, तो जब जया बच्चन विवाह जैसे पवित्र संस्कार पर मुंह बिचकाकर बात करती हुई नजर आती हैं, तो उनका असल चेहरा सामने आता है। उनकी बुद्धि पर तरस भी आता है।

नेशनल हेराल्ड केस : भ्रष्टाचार या राजनीतिक प्रतिशोध

मनोज कुमार अग्रवाल

नेशनल हेराल्ड मामले में श्रीमती सोनिया गांधी और उनके पुत्र राहुल गांधी की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती दिखाई दे रही हैं। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने नेशनल हेराल्ड केस में मामला दर्ज किया है। आरोपों के मुताबिक एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की दो हजार करोड़ रुपये की संपत्ति 50 लाख रुपये में खरीदी गई थी। दोनों नेताओं के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने नई प्राथमिकी दर्ज की है। इस में सोनिया और राहुल के अलावा कुल छह अन्य लोगों और तीन कंपनियों के नाम शामिल हैं।

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सोनिया गांधी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। आर्थिक अपराध शाखा ने राहुल और सोनिया गांधी समेत 9 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपों के मुताबिक एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिडेट की दो हजार करोड़ रुपये की संपत्ति महज 50 लाख रुपये में हड़प ली गई थी। इस मामले में एजेएल ने 6 लोगों और 3 कंपनियों को आरोपी बनाया है।नेशनल हेराल्ड केस की जांच कर रही इडी की शिकायत पर दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने केस दर्ज किया है। कांग्रेस पार्टी से जुड़ी एसोसिएटेड जर्नल्स को धोखाधड़ी से कब्जाने की साजिश का आरोप लगा है। सूत्रों के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड केस की जांच पूरी करने के बाद अपनी रिपोर्ट दिल्ली पुलिस को सौंपी थी। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने 3 अक्टूबर को प्राथमिकी दर्ज की। इस रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस के स्वामित्व वाली संस्था एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड का अधिग्रहण धोखाधड़ी के जरिए किया गया। एसोसिएट जर्नल की कुल संपत्ति लगभग 2000 करोड़ रुपये बताई गई है। यह अधिग्रहण यंग इंडियन के माध्यम से किया गया था, जिसमें गांधी परिवार की 76 फीसदी हिस्सेदारी बताई जाती है। नई एफआईआर में सोनिया और राहुल के अलावा इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा और तीन अन्य व्यक्तियों के नाम भी दर्ज किए गए हैं। जिन कंपनियों को एफआईआर में शामिल किया गया है, उनमें एजेएल, यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। एफआईआर में आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और विश्वासघात जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इडी ने 9 अप्रैल,2025 को सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और डोटेक्स के प्रमोटर के खिलाफ नेशनल हेराल्ड/एसोसिएटेड जर्नल्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक चार्जशीट दायर की थी। ताज़ा एफआईआर में सोनिया गांधी (आरोपी संख्या 1) राहुल गांधी (आरोपी संख्या 2) सुमन दुबे (आरोपी संख्या 3) सैम पित्रोदा (आरोपी संख्या 4) मेसर्स यंग इंडियन (आरोपी संख्या 5) मेसर्स डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड (आरोपी संख्या 6)सुनील भंडारी (आरोपी संख्या 7) बनाए गए हैं। आरोप है कि कोलकाता स्थित तीन फर्जी कंपनियों के माध्यम से यंग इंडियन को 1 करोड़ रुपये दिए गए और सिर्फ 50 लाख रुपये में एसोसिएट जर्नल का अधिग्रहण किया गया, जबकि एसोसिएट जर्नल की संपत्ति 2000 करोड़ रुपये आंकी गई है। माना जा रहा है कि दिल्ली पुलिस जल्द ही एजेएल के शेयरधारकों से पूछताछ कर सकती है। गांधी परिवार पर आरोप है कि इस संपत्ति को हड़पने के लिए यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड नाम का इस्तेमाल किया गया। ये कंपनियां कथित तौर पर कोलकाता की शेल कंपनियां हैं, जिसने यंग इंडिया को एक करोड़ रुपये दिए थे। जिससे गांधी परिवार ने कांग्रेस को 50 लाख रुपये देकर एसोसिएट जर्नल को कथित तौर पर 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति खरीदने के लिए कहा था। गौरतलब है कि भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने 1938 में नेशनल हेराल्ड अखबार की शुरूआत की थी। इसकी संपत्ति दिल्ली, मुंबई, लखनऊ समेत कई शहरों में फैली थी। एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड नाम की कंपनी अखबार के प्रबंधन का जिम्मा संभालती थी। आरोपों के मुताबिक जिस वक्त नेशनल हेराल्ड की संपत्ति गांधी परिवार को महज 50 लाख रुपये में बेची गई उस वक्त उसकी कीमत 2,000 करोड़ रुपये थी। नेशनल हेराल्ड केस में 2008 से 2014 के बीच मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप हैं। वर्ष 2014 में भाजपा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी की निजी शिकायत के आधार पर दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने इस मामले पर संज्ञान लिया था। 9 अप्रैल को गांधी परिवार समेत अन्य लोगों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। गांधी परिवार ने पटियाला हाउस कोर्ट के आदेश को दिल्ली उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट दोनों में चुनौती दी, लेकिन अदालतों ने कोई राहत नहीं दी। चूंकि यह मामला हजारों करोड़ की एजेएल की संपत्तियों और शेयरों के रूप में अपराध की आय बनाने, कब्जे और उपयोग से संबंधित है, इसलिए 752 करोड़ मूल्य की एजेएल की संपत्तियों को सुरक्षित करने के लिए इडी ने 20 नवंबर 2023 को अटैच करने का आदेश जारी किया था, जिसकी निर्णायक प्राधिकारी ने पुष्टि कर दी है। इडी की जांच रिपोर्ट आयकर विभाग के यंग इंडियन मामले में 27 नवंबर 2017 के आदेश को और आगे बढ़ाती है। 2017 में, आईटी विभाग ने यंग इंडियन के हाथों एजेएल की संपत्तियों के अवैध अधिग्रहण पर 414 करोड़ से अधिक की बड़ी टैक्स चोरी पाई थी। हालांकि इडी के आरोपों को कांग्रेस पार्टी लंबे समय से खारिज करती आ रही है। कांग्रेस का कहना है कि केंद्र की सत्ताधारी पार्टी बीजेपी एजेंसियों का इस्तेमाल कर गांधी परिवार को परेशान कर रही है। कांग्रेस ने लगातार आरोपों को गलत बताया है और इडी पर सरकार के कहने पर राजनीतिक चाल चलने का आरोप लगाया है। दूसरी तरफ बीजेपी इसे कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार का भ्रष्टाचार बताती रही है। राजनीतिक हल्के में ताजा एफआईआर से हड़कंप मच गया है। कयास है कि राहुल गांधी को नेशनल हेराल्ड मामले के आगे बढ़ने पर नेता प्रतिपक्ष पद भी छोड़ना पड़ सकता है। संभावना है कि अब सरकार विपक्ष पर हावी होने के लिए नई स्टेट्रजी बना कर काम कर रही है और जल्द ही कुछ अहम बिल सरकार संसद में लाएगी और अपने अजेंडा को प्रभावी बनाएगी।

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सोनिया गांधी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। आर्थिक अपराध शाखा ने राहुल और सोनिया गांधी समेत 9 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपों के मुताबिक एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिडेट की दो हजार करोड़ रुपये की संपत्ति महज 50 लाख रुपये में हड़प ली गई थी। इस मामले में एजेएल ने 6 लोगों और 3 कंपनियों को आरोपी बनाया है।

संसद को बाधित करना राष्ट्र को बाधित करना है

ललित गर्ग

भारत की संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से आरंभ हो रहा है और इसके प्रारंभ होने से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने आने वाले दिनों में संसद की कार्रवाई के हंगामेदार होने का संकेत देने में देर नहीं लगाई। विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि वह एस.आई.आर. सहित कई मुद्दों पर जोरदार ढंग से सदन में अपनी आवाज उठाएगा। विपक्ष संसद में सवाल उठाए, आवाज उठाए, यह उसका संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है, लेकिन मुद्दा यह है कि क्या यह अधिकार सार्थक बहस के रूप में सामने आएगा या एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़कर भारत के लोकतंत्र को शर्मसार करेगा। मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में एस.आई.आर. है। लेकिन, सरकार और विपक्ष-दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम, शालीनता और सहयोग की अपेक्षा है, ताकि सत्र में अधिक काम हो सके। शीतकालीन क19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा, सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्यॉरिटी एंड नैशनल सिक्यॉरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है, जिसका मकसद देश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। सारे ही बिल-प्रस्ताव महत्वपूर्ण हैं और इन पर सार्थक बहस की जरूरत है। निश्चित दौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे। वह सत्र देश के संसदीय इतिहास के सबसे कमजोर प्रदर्शन वाले सत्रों में गिना गया, जब लोकसभा की प्रॉडक्टिविटी महज 31 प्रतिशत के आसपास और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही। हंगामे और शोर-शराबे की वजह से दोनों सदनों में कई महत्वपूर्ण घंटे बर्बाद हो गए थे। सवाल यह है कि आखिर यह परंपरा कब बदलेगी? कब हमारे जनप्रतिनिधि समझेंगे कि संसद का एक-एक मिनट देश के करोड़ों लोगों की गाढ़ी कमाई से चलता है? एक मिनट का व्यर्थ खर्च लोकतंत्र की आत्मा को चोट पहुंचाता है। संसद केवल बहस का मंच नहीं बल्कि देश की नीतियों, कानूनों और विकास-दिशा को तय करने वाला सर्वोच्च स्थल है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र जनता द्वारा चुनकर भेजे गए प्रतिनिधियों की सजगता, जवाबदेही और गरिमा है। इसलिए संसद का हर क्षण अर्थपूर्ण, कार्यकारी होना चाहिए, हर चर्चा राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने वाली होनी चाहिए और हर बहस शालीनता तथा परिपक्वता की कसौटी पर खरी उतरनी चाहिए। सत्र को सुचारुरूप से चलाने के लिये सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक आयोजित करना एक स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण परम्परा एवं एक आशा की किरण है। इस बार भी सत्र शुरू होने से पहले 36 दलों का एक साथ बैठक करना एक अच्छी शुरुआत है। यह बैठक केवल औपचारिकता नहीं बल्कि संवाद और सहयोग की दिशा में एक सार्थक पहल है। देश यह उम्मीद कर सकता है कि यदि सदन का संचालन भी इसी सकारात्मक भावभूमि पर हुआ तो यह सत्र एक आदर्श परंपरा स्थापित कर सकता है। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, परंतु मनभेद अनिवार्य नहीं। संसद उन मनभेदों को संवाद में बदलने का पवित्र स्थान है। निश्चित ही विपक्ष की भी अपनी मांगें हैं, जिसे सर्वदलीय बैठक में रखा गया। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा, एसआईआर, वायु प्रदूषण और विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा चाहता है। अच्छी बात है कि विपक्षी दलों ने इस बारे में पहले ही अवगत करा दिया है और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ही मुताबिक, किसी ने भी यह नहीं कहा कि संसद नहीं चलने दी जाएगी। सरकार और विपक्ष, दोनों का इस पर सहमत होना कि सदन चलना चाहिए, स्वागत योग्य है। इस सत्र से सरकार 14 महत्त्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रही है। इन विधेयकों को पारित करवाना मात्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह विपक्ष की भी उतनी ही बड़ी भूमिका है कि वह रचनात्मक सुझाव दे, आवश्यक संशोधन का आग्रह करे और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए संवाद के माध्यम से कानूनों को दिशा दे। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों दो पहिये हैं, एक पहिया चिटक जाए तो रथ आगे नहीं बढ़ता। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद में एक नई लकीर खींची जाए- शालीनता की, संवैधानिक मर्यादाओं की, तर्कसंगत बहस की और राष्ट्रीय हित की। दुनिया भर के लोकतंत्रों में बहसें गरम होती हैं, लेकिन गरिमा नहीं टूटती। भारत में भी यह संस्कृति विकसित होनी चाहिए। विपक्ष का काम सरकार को कठघरे में खड़ा करना है, लेकिन वह हंगामे से नहीं बल्कि तथ्यपूर्ण तर्कों से हो। सवाल उठाने का अधिकार तभी सार्थक है जब उसके साथ उत्तर सुनने की तैयारी भी हो। पिछले कुछ सत्रों में यह प्रवृत्ति बढ़ी है कि विपक्ष प्रश्न पूछता है लेकिन उत्तर सुनने का अवसर ही नहीं देता। यह लोकतंत्र की आत्मा का हनन है। संसद सिर्फ आवाज बुलंद करने का मंच नहीं, वह सुनने, समझने और समाधान खोजने का माध्यम है। दुर्भाग्य से, पिछले कुछ वर्षों में यह मंच पक्ष और विपक्ष की राजनीतिक लड़ाइयों का अखाड़ा बनता जा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार को भी विपक्ष के सवालों का सम्मानपूर्वक जवाब देना चाहिए, लेकिन विपक्ष को भी यह समझना होगा कि राजनीति निरंतर संघर्ष का नाम नहीं बल्कि संवाद की प्रक्रिया है। देश की जनता बेहद उम्मीदों के साथ इस सत्र को देख रही है। महंगाई, रोजगार, सुरक्षा, विदेश नीति, सामाजिक सौहार्द, अर्थव्यवस्था, कृषि, शिक्षा और न्याय-ये सभी गंभीर मुद्दे हैं। जनता चाहती है कि उसके चुने हुए प्रतिनिधि इन मुद्दों पर ठोस बहस करें। यदि संसद हंगामों का अखाड़ा बन जाए, तो इन मुद्दों का समाधान कैसे निकलेगा? लोकतंत्र का वास्तविक मूल्य कानून में नहीं बल्कि उसके निर्बाध संचालन में है; यदि संचालन त्रुटिपूर्ण हो जाए, तो कानून भी अर्थहीन हो जाता है। संसद की गरिमा देश की गरिमा है। सांसद केवल राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा के वाहक हैं। उनकी भाषा, उनका आचरण और उनकी बहसें भविष्य की राजनीति का मार्ग तय करती हैं। यह चिंता का विषय है कि आज युवा पीढ़ी संसद के व्यवहार को लोकतंत्र का आदर्श नहीं, बल्कि अव्यवस्था का प्रतीक मानने लगी है। सदन की मर्यादा केवल स्पीकर या सभापति पर निर्भर नहीं, बल्कि सभी सांसदों के संयम एवं शालीनता पर निर्भर है। सभापति का सम्मान करना, नियमों का पालन करना, विषय पर रहने वाली बहस करना और असहमति में भी सभ्यता-शालीनता बनाए रखना-ये संसदीय चरित्र के मूल तत्व हैं। इनका पालन ही संसद की शुचिता को बनाए रख सकता है। यदि सरकार बहुमत के अहंकार में विपक्ष की उपेक्षा करती है तो यह गलत है; लेकिन यदि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका छोड़कर केवल अवरोध बन जाए तो यह भी लोकतंत्र के साथ अन्याय है। संसद तभी सफल होगी जब दोनों तरफ का आचरण सकारात्मक हो। इस दृष्टि से शीतकालीन सत्र नई परंपराओं का प्रारंभ बनना ही चाहिए। इस बार के सत्र से यह अपेक्षा है कि यह एक सकारात्मक, शालीन और प्रगति का सत्र बने। यह केवल कानून पारित करने का सत्र न हो; यह संवाद का, सौहार्दपूर्ण वार्ता का, समस्याओं के समाधान का और राष्ट्रीय हित के नए संकल्प का सत्र हो। यदि इस बार पक्ष और विपक्ष मिलकर अनुशासन, मर्यादा और जिम्मेदारी की एक नई लकीर खींच दें, तो देश के लोकतांत्रिक इतिहास में यह सत्र मील का पत्थर बन सकता है। भारत का लोकतंत्र विश्व के लिए प्रेरणा बन सकता है, बशर्ते संसद स्वयं अपने भीतर अनुशासन, शांति और संवाद की संस्कृति को स्थापित करे। यह सत्र उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बन सकता है। देश आज यही उम्मीद कर रहा है कि जो सर्वदलीय बैठक शांति और सहमति से हुई, उसी भाव के साथ संसद का संचालन भी हो। यदि यह संभव हुआ तो यह केवल एक सत्र की सफलता नहीं होगी, बल्कि भारत के लोकतंत्र की विजय होगी।

सत्र को सुचारुरूप से चलाने के लिये सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक आयोजित करना एक स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण परम्परा एवं एक आशा की किरण है। इस बार भी सत्र शुरू होने से पहले 36 दलों का एक साथ बैठक करना एक अच्छी शुरुआत है। यह बैठक केवल औपचारिकता नहीं बल्कि संवाद और सहयोग की दिशा में एक सार्थक पहल है। देश यह उम्मीद कर सकता है कि यदि सदन का संचालन भी इसी सकारात्मक भावभूमि पर हुआ तो यह सत्र एक आदर्श परंपरा स्थापित कर सकता है।

डीएम ने सिंचाई, जल निगम एवं नलकूप विभाग की प्रगति की समीक्षा की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने मंगलवार को एनआईसी सभागार में सिंचाई, जल निगम एवं नलकूप विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करें तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से नहरों की सिल्ट सफाई की प्रगति की जानकारी ली और कहा कि सिल्ट सफाई मानक के अनुरूप एवं समय से पूर्ण की जाए। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को खंड विकास अधिकारियों के माध्यम से सिल्ट सफाई कार्य का सत्यापन कराने के निर्देश दिये। बैठक में अनुपस्थित रहने पर अधिशासी अभियंता, सिंचाई एवं सहायक अभियंता, सिंचाई खंड फतेहपुर का वेतन रोकने के भी आदेश दिए गये। नलकूप विभाग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, नलकूप को निर्देशित किया कि यांत्रिक खराबी वाले सभी नलकूप एक सप्ताह के भीतर तथा विद्युत खराबी वाले नलकूप 3 दिनों के भीतर हर हाल में दुरुस्त कर क्रियाशील कर दिए जाएँ, ताकि किसानों को सिंचाई में कोई दिक्कत न हो। अधिशासी अभियंता ने बताया कि 12 नलकूपों को ऊर्जीकृत किया जा चुका है, जिस पर जिलाधिकारी ने इसका सत्यापन कराए जाने के निर्देश दिये। जल-जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यों में अपेक्षित प्रगति न होने पर असंतोष व्यक्त किया और फर्मों को ओवरहेड टैंक निर्माण, पाइपलाइन बिछाने तथा कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों की मानक के अनुरूप मरम्मत में तेजी लाने के निर्देश दिये।उन्होंने अधिशासी अभियंता, जल निगम को लापरवाह फर्मों के विरुद्ध जुर्माना एवं अन्य कठोर कार्यवाही करने को कहा। अधिशासी अभियंता, जल निगम ने बताया कि जिन परियोजनाओं में 90% कार्य पूर्ण हो चुका है उन्हें प्राथमिकता देते हुए शीघ्र ही शत-प्रतिशत पूरा कर पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराई जायेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अझुवा का किया आकस्मिक निरीक्षण

कौशाम्बी। डॉ. अमित पाल ने आज नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अझुवा का आकस्मिक निरीक्षण कर वहां उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं एवं अभिलेखों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान विभिन्न कमियों पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिये। इस दौरान एच.आर.पी. रजिस्टर के अवलोकन में पाया कि गर्भवती महिलाओं के मोबाइल नंबर सहित कई महत्वपूर्ण सूचनाएं अद्यतन नहीं थीं। उन्होंने इस पर असंतोष व्यक्त करते हुए ए.एन.एम. को सभी गर्भवती महिलाओं के मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से अंकित करने के निर्देश दिए, ताकि समय-समय पर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी सलाह एवं जांच के लिए बुलाया जा सके। उन्होंने हाई-रिस्क गर्भवती महिलाओं पर विशेष ध्यान देने तथा ए.एन.सी. रजिस्टर में सभी सूचनाएं पूर्ण एवं अद्यतन रखने के निर्देश भी दिये। अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की स्थिति ठीक न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्टाफ नर्सों का रोस्टर व्यवस्थित तरीके से बनाने को कहा, ताकि मरीजों को बेहतर सेवा मिल सके। प्रसव कक्ष निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रसूता महिलाओं को निर्धारित समयावधि तक अस्पताल में अवश्य रोका जाय। 102-एम्बुलेंस की जांच में जिलाधिकारी ने ईएमटी अवधेश सिंह को सभी आवश्यक इमरजेंसी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित रखने को कहा। पैथोलॉजी कक्ष में लैब टेक्नीशियन से उपलब्ध जांच सेवाओं की जानकारी लेते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि सभी आवश्यक जांच किट निरंतर उपलब्ध रहें। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रबुद्ध सिंह भी उपस्थित रहे।

धान क्रय केंद्रों और उर्वरक दुकानों का निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- 35 प्रतिष्ठानों की जांच में 3 निलंबित, 5 को नोटिस, जिलाधिकारी के निर्देश पर सख्ती

उन्नाव। मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार धान क्रय केंद्रों और उर्वरक बिक्री केंद्रों की जिलेभर में व्यापक जांच की गई। जिलाधिकारी गौरांग राठी के निर्देशन में जिला कृषि अधिकारी शशांक चौधरी ने विकासखण्डवार प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बिक्री से जुड़ी सभी गतिविधियों स्टॉक रजिस्टर, वितरण रजिस्टर, कैश मेमो तथा किसानों के बयान का गहन सत्यापन किया गया। इस दौरान कालाबाजारी एवं नियम उल्लंघन रोकने के लिए अधिकारियों ने केंद्रों की कार्यशैली की बारीकी से जांच की।

जिले के कुल 35 प्रतिष्ठानों के निरीक्षण में 3 प्रतिष्ठानों को निलंबित किया गया, जबकि 5 दुकानदारों को कारण बताओ नोटिस जारी हुआ। संदिग्ध स्टॉक मिलने पर एक नमूना भी लिया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि उर्वरक का वितरण केवल पीओएस मशीन के माध्यम से और खतौनी के अनुसार ही होगा। दुकानों पर स्टॉक बोर्ड, रेट बोर्ड, स्टॉक एवं वितरण रजिस्टर तथा कैश मेमो उपलब्ध रहना अनिवार्य होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि ओवररेटिंग, टैगिंग, दुकान बंद मिलने या अनियमितता की स्थिति में उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में यूरिया और डी.ए.पी. की पर्याप्त उपलब्धता है। किसानों से अपील की गई कि वे उर्वरक का अनावश्यक भंडारण न करें और खरीदते समय खतौनी अवश्य लेकर आएं।

संक्षिप्त समाचार

जिला मजिस्ट्रेट ने 6 लोगों को किया जिला बदल

कौशाम्बी। जिला मजिस्ट्रेट डॉ. अमित पाल ने गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम-1970 के अन्तर्गत कुल 6 लोगों को जिला बदर करने का आदेश दिया है। जिला बदर होने वालों में साहिल पुत्र शकील निवासी ग्राम-सालेपुर थाना-करारी को 3 माह के लिए, तौसीफ उर्फ शाहिद पुत्र तौफीक निवासी ग्राम-पारा हसनपुर थाना-करारी को 2 माह के लिए, डी.के. सरोज पुत्र स्व. हुबलाल सरोज निवासी ग्राम-बरई बंधवा थाना-करारी को 6 माह के लिए, निसान्त मौर्या पुत्र गुलाब मौर्या निवासी ग्राम-जवई पड़री थाना-मोहम्मदपुर पइंसा को 3 माह के लिए, सूरजदीन सरोज पुत्र दुर्गा प्रसाद निवासी ग्राम-अफजलपुरवारी थाना-मोहम्मदपुर पइंसा को 2 माह के लिए एवं अखिलेश पाण्डेय पुत्र देव मुनि पाण्डेय ग्राम-रमसहाईपुर थाना-मोहम्मदपुर पइंसा जनपद कौशाम्बी को 3 माह के लिए जिला बदर किया गया है।

बिछिया विकासखण्ड में सचिवों का विरोध प्रदर्शन

बिछिया(उन्नाव)। बिछिया विकासखण्ड में तैनात सचिवों ने मंगलवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विकास खण्ड परिसर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। सचिवों ने आरोप लगाया कि उनसे गैर-विभागीय कार्य लिए जा रहे हैं और ऑनलाइन उपस्थिति एवं एफआरएस के दबाव में वे परेशान हैं। सचिव अनित दमन दीक्षित, ओमशंकर तिवारी, अभिषेक वर्मा और ऊदल सिंह ने हाथों में काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया। सचिवों ने बैनर लगाकर यह संदेश भी दिया कि वे सभी गैर-आवश्यक ग्रुप छोड़ेंगे और निजी साधनों का उपयोग बंद करेंगे। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस समाधान नहीं होगा, आंदोलन जारी रहेगा।

एक घर में 42 फर्जी वोटर मिले, प्रशासन में हड़कंप

उन्नाव। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान सदर तहसील के पूरन नगर इलाके में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक ही घर में 45 नाम दर्ज मिले, जबकि मौके पर केवल 3 लोग ही रहते पाए गए। बीएलओ टीम मौके पर पहुंची तो मकान मालिक ने खुद बताया इन 43 नामों के बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है, न हम इन्हें पहचानते हैं। पड़ोसियों ने भी फर्जीवाड़े की पुष्टि की। इस खुलासे ने मतदाता सूची तैयार करने वाली पिछली टीम और प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिले में एसआईआर अभियान के दौरान बड़े पैमाने पर डेटा अपडेट हुआ है। अब तक कुल मतदाताः 23,25,053, हटाए गए नामः 2.23 लाख (शिफ्ट, अनुपस्थित, मृतक), डिजिटाइजेशनः 83.32%, प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और संबंधित बीएलओ से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

सफीपुर में तीन दिवसीय सनातन धर्म सत्संग समारोह 6 दिसंबर से

सफीपुर। सनातन धर्म सत्संग समिति के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक सनातन धर्म सत्संग समारोह 6 दिसंबर से भव्य रूप से आरंभ होगा। यह कार्यक्रम कस्बे के मोटेश्वर महादेव मंदिर के पास स्थित भगवती चरण वर्मा पार्क में आयोजित किया जाएगा। प्रथम दिन नगर में शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है। मंगलवार को भिनकीपुर धाम के महंत रामस्वरूप ब्रह्मचारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई।

शुक्लागंज में जाम नियंत्रण को लेकर पुलिस-पालिका की कार्रवाई

शुक्लागंज, उन्नाव। नवीन पुल जाम से जूझ रहे शुक्लागंज के लोगों को मंगलवार को बड़ी राहत मिली, जब पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जाम निवारण अभियान तेजी से शुरू हुआ। सोमवार शाम एसपी ने शुक्लागंज क्षेत्र का निरीक्षण कर गंगाघाट कोतवाल अजय कुमार सिंह को सख्त निर्देश दिए थे। निर्देशों का पालन करते हुए मंगलवार सुबह से ही पोनी रोड तिराहा और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस एक्शन में दिखी। पुलिस ने नियम विरुद्ध खड़े वाहनों को हटाया, टेंपो और ई-रिक्शा को निर्धारित स्टैंड पर खड़ा कराया। कोतवाल अजय कुमार सिंह ने स्पष्ट चेतावनी दी कि नो-पार्किंग में

चिन्हित कमियां शत प्रतिशत होंगी दूर : सीवीओ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- डीएम ने बीते दिवस लापरवाही पर एक अधिकारी का वेतन रोका, प्रभारी पशु चिकित्साधिकारी निलंबित
- सीवीओ बोले 'कमियां शीघ्र दुरुस्त होंगी'

उन्नाव। जिलाधिकारी गौरांग राठी के निर्देश पर जनपद की 325 गौशालाओं का व्यापक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में कई गौशालाओं में लापरवाही और अनियमितताएं सामने आईं, जिन्हें गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई की।

निरीक्षण में एक गौशाला से जुड़े अधिकारी का वेतन रोक दिया गया जबकि प्रभारी पशु चिकित्सा अधिकारी को निलंबित कर दिया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि गौशालाओं में पशुओं की देखभाल एवं सुरक्षा से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस संबंध में जिला पशु चिकित्सा अधिकारी विनोद कुमार से हमारी टीम ने बातचीत की। उन्होंने कहा, ‘जिन कमियों को चिन्हित किया गया है उन्हें जल्द ही दुरुस्त कर दिया जाएगा। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुसार सुधारात्मक कार्य शुरू कर दिए गए हैं। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी की टीम ने सभी कमियों की सूची तैयार कर ली है, जिन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जा रहा है। प्रशासन का यह कदम जिले में गौ-सुरक्षा और पशुपालन के प्रति गंभीरता को दर्शाता है। संबंधित अधिकारियों ने पुनरावृत्ति रोकने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया का कड़ाई से पालन कराने की बात कही है।

एक सप्ताह पूर्व किशोरी के मौत की गुत्थी सुलझी, पिता पर साक्ष्य छुपाने का आरोप

सीतापुर। तालगांव क्षेत्र में हुई किशोरी की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने जांच पूरी करते हुए घटना का मंगलवार को अनावरण कर दिया है। प्रारम्भिक जांच में हत्या की आशंका जताई गई थी। परन्तु विस्तृत पूछताछ, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और ग्रामीणों से प्राप्त जानकारियों के आधार पर सामने आया कि किशोरी की मौत घर के अंदर ही हुई थी और उसके पिता ने भयवश शव को गन्ने के खेत में ले जाकर रख दिया था। बता दें कि, किशोरी का शव एक सप्ताह पूर्व (25 नवम्बर) खेत में मिला था। मंगलवार दोपहर बाद पुलिस ने इस घटना के रहस्य से पर्दा उठा दिया। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आलोक सिंह के अनुसार किशोरी और उसकी बड़ी बहन के बीच घरेलू विवाद हुआ था। जिसके बाद पिता ने दोनों को डांट दिया। इससे क्षुब्ध होकर किशोरी कमरे में चली गई और बाद में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। घटना के समय उसके माता-पिता घर से बाहर गए हुए थे।

किशोरी के अपहरण व दुष्कर्म के एक दोषी को आजीवन कारावास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में पांच वर्ष पूर्व फफूंद थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की को बहला फुसला कर दुष्कर्म करने के मामले में मंगलवार को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो अधिनियम अखिलेश्वर प्रसाद मिश्र ने दोषी को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है। कोर्ट ने उस पर 40 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है।

उक्त मामले की अभियोजन की ओर से पैरवी कर रहे विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो मृदुल मिश्र ने बताया कि फफूंद थाना क्षेत्र निवासी वादिनी ने पंजीकृत कराए मुकदमे में कहा कि 20 जुलाई 2020 को वह अपनी तीन पुत्रियों व छोटे पुत्र के साथ घर के अंदर सो रही थी। रात 11 बजे उसका भाई कुछ आवाज होने पर जागा तो देखा कि पड़ोस में रहने वाले नाजिर व उसका दोस्त राजा उसकी नाबालिग लड़की को सफ़ेद ओमनी वैन में बैठाकर ले जा रहे थे। भाई के शोर मचाने पर वादिनी जागी व पीड़ित किशोरी की खोज की गई। इस संबंध में थाना फफूंद में अपहरण व पॉक्सो का मामला दर्ज हुआ था। बाद में बरामदगी पर दुष्कर्म की धारा बढ़ाई गई। पुलिस ने विवेचना कर कानपुर देहात के रसूलाबाद के असालतगंज के ग्राम बीरी हाल पता सरैया फफूंद निवासी मुसाहिद अली उर्फ राजा पुत्र साबिर अली के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। यह मुकदमा विशेष न्यायालय पॉक्सो अधिनियम में चला। मंगलवार को इसका निर्णय सुनाया गया। इसके पूर्व अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक मृदुल मिश्र ने नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म के दोषी को कठोर दंड देने की बहस की। वहीं बचाव पक्ष ने नव युवक का आपराधिक इतिहास न होने की दुहाई देकर रहम की याचना की। दोनों पक्षकारों को सुनने के बाद अपर सत्र न्यायाधीश अखिलेश्वर प्रसाद मिश्र ने दोषी युवक मुसाहिद अली उर्फ राजा को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया।

चिरस्थायी कृषि, कचरा प्रबंधन, उभरती प्रौद्योगिकी पर छात्रों ने बनाए मॉडल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। चित्रगुप्त इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय मंडल स्तरीय 53वीं बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का मंगलवार को शुभारंभ हुई। इसमें मुरादाबाद और अमरोहा के 65 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने चिरस्थायी कृषि, कचरा प्रबंधन और प्लास्टिक के विकल्प, उभरती प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता और जल संरक्षण एवं प्रबंधन आदि विषय पर मॉडल बनाए।

कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त शिक्षा निदेशक मनोज कुमार द्विवेदी, जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडेय एवं प्रधानाचार्य मेजर सुदेश भटनागर ने किया। प्रदर्शनी में सेना का नेविगेशन, बारिश के पानी को बचाने व उसके उपाय के साथ ही सेंसर युक्त टैब से पानी का इस्तेमाल करने एवं किसानों को आत्मनिर्भर बनाने पर मॉडल प्रदर्शित किए गए। दिव्या सरस्वती बालिका कन्या इंटर कॉलेज की कक्षा-10 की छात्रा अनन्या चौहान ने एकीकृत खेती के मॉडल से तालाब के ऊपर बकरी और मुर्गी पालन को प्रदर्शित किया।

नीचे मछलियों के लिए भोजन तैयार करने और उसी तालाब के पानी से प्राकृतिक खेती की सिंचाई करने को दर्शाया। चिरस्थायी कृषि के जरिए किसानों को आत्मनिर्भर बनाने पर बल दिया। बुधवार को बिजनौर, रामपुर एवं संभल के विज्ञान मॉडलों का प्रदर्शन किया जाएगा। मंडल सदस्य वीरेश कुमार, डॉ. मधुसूदन यादव, डॉ. राजीव कुमार ने मुख्य विषयों के मॉडलों का निरीक्षण किया। बबीता मेहरोत्रा, नरेंद्र सिंह, मो. शारिव, अनुज त्यागी, विशाल अग्रवाल, पंकज कुमार शर्मा आदि शिक्षक मौजूद रहे।

सरकारी जमीन पर कब्जा कर बनी चार अवैध दुकानें ध्वस्त

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सीतापुर। लहरपुर में मंगलवार दोपहर बाद मजाशाह चौराहे से केसरीगंज मार्ग पर तहसील प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खलिहान की सरकारी भूमि पर बने चार अवैध दुकानों पर बुलडोजर चलवा दिया। न्यायालय के आदेश पर की गई इस कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी।

गाटा संख्या 454, रकबा करीब 2 बीघा खलिहान की भूमि पर सफी उल्ला और बरकत उल्ला ने अवैध कब्जा कर चार पक्की दुकानें खड़ी कर ली थीं। तहसील प्रशासन ने पहले इन्हें नोटिस दिया, लेकिन निर्माण नहीं हटाया गया। इसके बाद राजस्व टीम ने धारा-67 के तहत बुलडोजर की मदद से सभी अवैध निर्माण ध्वस्त कर भूमि को पूरी तरह कब्जा-मुक्त करा लिया।

कार्रवाई के दौरान राजस्व निरीक्षक अमर सिंह, लेखपाल राहुल यादव और भारी पुलिस बल मौजूद रहा। दुकानों के ध्वस्तीकरण की खबर फैलते ही मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए। बुलडोजर की कार्रवाई देखकर आसपास के अन्य अवैध कब्जाधारियों में भी हड़कम्प मच गया। लहरपुर की उपजिलाधिकारी आकांक्षा गौतम ने बताया कि मंगलवार को कब्जे से मुक्त कराई गई सरकारी भूमि की कीमत करीब 1 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ इसी तरह की कड़ी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मौरंग खदान संचालकों की मनमानी के खिलाफ किसानों ने खोला मोर्चा, फसल रौंदकर रास्ता बनाने का आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में मंगलवार को मौरंग खदान संचालकों की मनमानी का विरोध कर रास्ता जाम कर दिया और खड़ी फसल रौंद कर जबरन मौरंग लदे ट्रक निकालने का आरोप लगाया है।

खागा तहसील के संगोलीपुर मडैयन खदान संचालकों की मनमानी का विरोध करते हुए ग्रामीणों ने बताया कि बिना किसी मुआवजे, अनुमति और सूचना के खदान संचालकों ने रात में खेतों की खड़ी फसल को रौंदते हुए रास्ता तैयार कर दिया और सुबह होते ही भारी वाहन उसी रास्ते से दौड़ने लगे। इससे किसानों की गेहूँ और सरसों की खड़ी फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। इस मनमानी से नाराज किसानों ने आज मौरंग खदान के मुख्य रास्ते को रोककर जाम लगा दिया। ग्रामीणों ने खदान संचालक पर दबंगई करने और मुआवजा मांगने पर जान से मारने की धमकी देने के भी आरोप लगाए। किसानों ने कहा कि खदान संचालक लगातार धमका रहा है कि ‘ज्यादा बोलोगे तो देख लूंगा’, जिससे क्षेत्र में भारी आक्रोश है।

किसान रामपाल, सुरेन्द्र, सुखराम आदि का आरोप यह भी है कि खदान शुरू होने से लेकर अब तक विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे। शुरुआत से ही खदान संचालन नियमों के विपरीत चल रहा है और स्थानीय प्रशासन शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। ग्रामीणों ने कुछ अधिकारियों पर भी मिलीभगत कर खदान संचालक का संरक्षण करने के आरोप लगाए।

जाम लगने की सूचना पर स्थानीय पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसानों को शांत कराने का प्रयास किया। किसानों का कहना है कि जब तक उनकी फसल का उचित मुआवजा नहीं मिलेगा और अवैध रास्ता बंद नहीं किया जाएगा, विरोध जारी रहेगा। ग्रामीणों ने मांग की कि खदान संचालक पर तुरंत कार्रवाई की जाए, मुआवजा दिया जाए और किसानों को मिल रही धमकियों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर मुकदमा दर्ज किया जाए। खागा थाना प्रभारी ने बताया कि राजस्व विभाग के अधिकारियों के संज्ञान में मामला है और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस मॉनिटरिंग कर रही है।

गैर इरादतन हत्या में दो दोषियों को 10 वर्ष की कैद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के बिधूना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम इंदपामऊ में 11 वर्ष पूर्व तिलकोत्सव कार्यक्रम के दौरान हुई हर्ष फायरिंग से किशोरी की मौत के मामले में मंगलवार को अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया। अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम पारुल जैन ने मामले के दोनों दोषियों दीपचंद और नाजिर को गैर इरादतन हत्या के अपराध में 10-10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही दोनों पर 10-10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। सरकारी पक्ष से मामले की पैरवी कर रहे एडीजीसी चंद्रभूषण तिवारी ने बताया कि, ग्राम पूर्वा जोरन थाना दिबियापुर निवासी तेज सिंह ने 8 मई 2014 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि वह अपनी मौसी के बेटे के तिलक समारोह में बहन ऊषा देवी (20) के साथ इंदपामऊ गए थे। रात करीब 10 बजे डीजे के दौरान खुशी में दीपचंद और उसका पड़ोसी नाजिर हर्ष फायरिंग कर रहे थे। अचानक चली गोली बहन ऊषा देवी के कान से होकर निकल गई। हालत गंभीर होने पर उसे हैलट अस्पताल कानपुर में भर्ती कराया गया, जहाँ उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना पर दोनों के खिलाफ धारा 304 के तहत मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया। मुकदमा अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम की अदालत में विचाराधीन रहा। आज सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने कठोर दंड की मांग की, जबकि बचाव पक्ष ने दया की अपील की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने दोनों दोषियों को 10 वर्ष की सजा और अर्थदंड से दंडित किया। अदालत ने लगाए अर्थदंड 20 हजार से 10 हजार रुपये मृतका के भाई तेज सिंह को देने का आदेश दिया। दोनों दोषियोंक को जिला कारागार इटावा भेज दिया गया है।

उत्तर रेलवे
खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 23.12.2025 को 15.00 बजे तक है आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे यदि कोई मैनुअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	निविदा सूचना संख्या : 12702025 dated 01.12.2025
2	कार्य का नाम : सहायक मंडल इंजीनियर द्वितीय सुल्तानपुर के अनुभाग, जो वरिष्ठ मंडल इंजीनियर चतुर्थ लखनऊ के अधिकार क्षेत्र में आता है, के अंतर्गत DRN-3 पुलों (ZBD-SLN: 22 पुल तथा AYC-SLN: 1 पुल, कुल 23 पुलों) के पुनर्निर्माण का कार्य। (रेलवे की आवश्यकता के अनुसार अधिकतम 3 पुलों का लॉन्चिंग एक ही ब्लॉक में की जाएगी।)
3	अनुमानित लागत : रु. 4,94,54,774.04
4	धरोहर राशि : रु. 3,97,300.00
5	कार्य समापन की अवधि : स्वीकृत पत्र की तिथि से 12 माह
6	निविदा डालने का प्रारंभ : 09.12.2025
7	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 23.12.2025, 15:00 बजे
8	वेबसाईट : www.ireps.gov.in

निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 3722/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., मंडल रेल प्रबंधक, हजरतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.	ई-निविदा सूचना सं. : 1173-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ-तृतीय कॉल दिनांक 01.12.2025
2.	कार्य का नाम : 02 वर्ष की अवधि के लिए लखनऊ डिवीजन में SSE/Elect/BSB, JNU, MBDP एवं PRG जोन के तहत सबमर्सिबल पंप और मोटर सेट की रीवाइंडिंग, लोवरिंग, एरेक्शन, टेस्टिंग एवं कमीशनिंग।
3.	अनुमानित लागत : रु. 15,90,016/- (पन्द्रह लाख नब्बे हजार सोलह रूपये मात्र)
4.	बयाना राशि : रु. 31,900/- (इकत्तीस हजार नौ सौ रुपये मात्र)
5.	कार्य पूर्ण करने की अवधि : 24 माह
6.	ई-निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि : दिनांक 23.12.2025 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:30 बजे वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., उत्तर रेलवे, हजरतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
7.	प्रस्ताव की वैधता : ई-निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
8.	उत्तर रेलवे की वेबसाइट : अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा की जा सकती है।

सं: 1173-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ-तृतीय कॉल दिनांक: 01.12.2025 3721/25
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

लापता युवक का मिला शव, परिजनो ने जताई हत्या की आशंका

- अधजले शव की पहचान सुहेल के रूप में, हत्या का मामला दर्ज करने की तैयारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव छितौनिया में एक अज्ञात युवक का अधजला शव मिला था, जिसकी पहचान सुहेल पुत्र फारुख निवासी मोहल्ला वीरेन्द्र नगर कालोनी गोला थाना गोला के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हत्या के आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है।

मंगलवार की सुबह करीब 7 बजे छितौनिया गांव के बाहर खेतों के बीच जाने वाली सड़क किनारे स्थित सियाराम वर्मा के खेत किनारे बने गड्ढे में एक 32 वर्षीय अज्ञात युवक का अधजला शव पड़ा देखा गया। देखते ही देखते घटना की खबर पूरे क्षेत्र में जंगल में आग की तरह फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर हैदराबाद थाना प्रभारी सुनील मलिक व गोला सीओ रमेश तिवारी तुरंत मौके पर पहुंचे और घटनास्थल पर घेरा बनाकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने अधजले युवक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया था। वही मौके पर पहुची फोरेंसिक टीम ने अधजले शव का परिक्षण कर जली हुये शव के नमूने लिये है। दोपहर बाद म्रतक के बड़े भाई शोएब खा ने म्रतक की पहचान अपने छोटे सुहेल के रूप में की है। शोएब खा के अनुसार उनके छोटे भाई सुहेल पुत्र फारुख घर से अपने दोस्तों के साथ सोमवार की शाम निकले थे। जिनका अधजला शव छितौनिया गांव के बाहर खेतो के बीच गड्ढे में मिला। हैदराबाद थाना प्रभारी सुनील मलिक ने बताया कि अधजले म्रतक युवक की पहचान शोएब खा पुत्र फारुख ने अपने छोटे भाई सुहेल के रूप में की है। अभी तहरीर नहीं मिली है, तहरीर मिलने पर मुकदमा लिखा जायेगा। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है और जल्द ही हत्या करने वाले आरोपी गिरफ्तार कर लिए जायेंगे। फोरेंसिक टीम ने जुटाये शाक्ष्य।

पुलिस क्षेत्राधिकारी गोला रमेश कुमार तिवारी के फोन करने के पश्चात लखीमपुर मौके पर पहुची फोरेंसिक टीम के द्वारा जले हुये शव का परिक्षण कर उसके नमूने लिये है।

किसान ने ऑनलाइन शिकायत करके कि खाद की मांग

मितौली खीरी। विकास खंड बेहजम की साधन सहकारी समिति भूलनपुर के सचिव द्वारा समिति के सदस्यों व किसानों को खाद देने से मना करते हुए कहा कि हमारे पास खाद गोदाम की चाबी नहीं है बहाना बनाकर खाद देने से मना किया किसान दर-दर भटकने को मजबूर हो रहे हैं साधन सहकारी समिति के सक्रिय सदस्य मुनीष चंद्र पुत्र छन्नू लाल निवासी ग्राम पोस्ट बढ़िरया विकासखंड बेहजम खेत की बुवाई करने हेतु समिति पर खाद लेने गए तो समिति के सचिव प्रमोद त्रिपाठी ने खाद देने से मन कर दिया और कहा हमारे पास चाबी नहीं है जब पुनः अनुरोध किया तो गंदी-गंदी बातें कहकर वहां से मुझे और किसानों को वहां से भगा दिया गया और कहा जो करना है सो कर लो जाकर के, खाद उपलब्ध होने के बाद भी किसानों को खाद समय पर नहीं दी जाती है किसान मुनेश कुमार ने आरोप लगाया कि अंगूठा तो लगवा लेते हैं पर स्लिप नहीं देते हैं और फटी पुरानी बोरियां जबरन देते हैं जब खाद कम होने की बात कही तो वजन करने से सीधे मना कर देते हैं।

महिला आईटीआई श्रीनगर का निर्माण रफ्तार पर, 94% कार्य पूरा

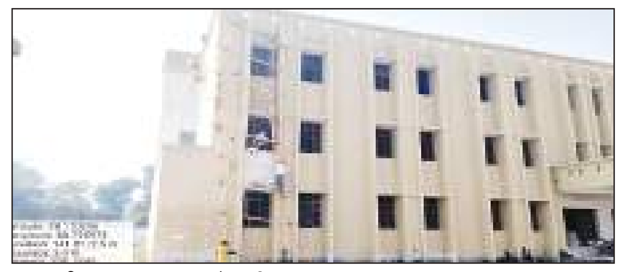

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- डीएम की पहल से अटकी परियोजना को मिली रफ्तार, मार्च 2026 तक भवन हस्तांतरण की तैयारी

लखीमपुर खीरी। महिला आईटीआई श्रीनगर की बहुप्रतीक्षित भवन परियोजना अब लगभग पूर्णता की ओर है। निर्माण कार्य का 94 प्रतिशत हिस्सा पूरा हो चुका है। धनराशि की दूसरी किस्त समय से न मिलने के कारण कुछ समय कार्य धीमा रहा, लेकिन डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की लगातार पहल और शासन स्तर पर प्रभावी पत्राचार के बाद बजट रिलीज होते ही काम ने फिर रफ्तार पकड़ ली। राजकीय आईटीआई श्रीनगर (ब्लॉक फूलबेहड़) की स्थापना के लिए भारत सरकार की 12वीं इम्पावर्ड कमेटी ने 31 जनवरी 2019 को कुल ?1260 लाख की स्वीकृति प्रदान की थी। इसमें ?838.88 लाख सिविल कार्य तथा ?421.22 लाख टूल्स व इक्विपमेंट के लिए निर्धारित किए गए थे। प्रथम किस्त के रूप में जारी ?630 लाख से ठ्घ्टगग ने 85% निर्माण पूरा कर उपभोग प्रमाण-पत्र डीएम के माध्यम से निदेशालय को भेज दिया था। द्वितीय किस्त लंबित रहने के कारण कार्य प्रभावित हो रहा था। इसे देखते हुए डीएम द्वारा शासन को लगातार पत्र भेजे गए। इसके परिणामस्वरूप निदेशालय ने 18 सितंबर 2025 को शेष सिविल राशि ?208.88 लाख जारी कर दी, जो 24 अक्टूबर को कार्यदायी संस्था के खाते में पहुंच गई।

फिनिशिंग का काम तेज, 31 मार्च 2026 नई डेडलाइन

बजट उपलब्ध होने के बाद निर्माण कार्य में गति और बढ़ गई। अक्टूबर 2025 तक 94 फीसदी निर्माण पूरा कर लिया गया। वर्तमान में भवनों में पेंटिंग, फिनिशिंग, फिटिंग और अंतिम तैयारियों का कार्य किया जा रहा है। धनराशि के विलंब को देखते हुए निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण द्वारा परियोजना की नई पूर्णता तिथि 31 मार्च 2026 प्रस्तावित की गई है। निर्धारित समय में भवन होगा हस्तांतरित कार्यदायी संस्था ने भरोसा जताया है कि संशोधित टाइमलाइन के भीतर सभी कार्य पूरे कर भवन विभाग को सौंप दिया जाएगा। इसके बाद महिला आईटीआई श्रीनगर को जल्द ही संचालित करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

टूटी सड़कों पर हिचकोले खाने को मजबूर हैं देवरी गांव के लोग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नीमगांव खीरी। बेहजम ब्लॉक से ताल्लुक रखने वाले ग्राम देवरी को जाने वाला मार्ग जर्जर है और खस्ताहाल होने से लोग हिचकोले खाने को मजबूर हैं,सड़कों के निर्माण को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। सड़कों की बदतर हालत के चलते यहां से निकलना खतरे से खाली नहीं रह गया है।

नीमगांव से देवरी जानें वाली सड़कों पर इतने गढ्डें हो गए है कि वाहन सड़कों पर रेंगकर चलने को मजबूर हो रहे हैं। सड़कों पर गुजरने वाले वाहन चालकों को हर समय हादसा होने का अंदेशा बना रहता है। खासकर रात के समय तो दुपहिया वाहन चालकों के लिए सड़क पर चलना खतरे से खाली नहीं है।

देवरी गांव के रहने वाले पृथ्वीपाल सिंह कहते की लोक निर्माण विभाग, अगर नए सिरे से तत्काल सड़कों का निर्माण नहीं करा सकता है तो कम से पैच वर्क तो कराया ही जा सकता है।वर्तमान समय में बेहजम ब्लॉक क्षेत्र के देवरी गांव की अधिकांश सड़कें बुरी तरह से जर्जर हो चुकी हैं।

कई स्थानों पर तो स्थिति इतनी बदतर हो गई कि सड़क पर गढ्डे ही गढ्डे दिखाई दे रहे हैं। यहां से वाहन ले जाना तो दूर पैदल चलना भी अब तो मुश्किल हो गया है। सड़कों की खस्ता हालत के चलते आए दिन लोग हादसों का शिकार हो रहे हैं। रात के समय अंधेरे में दुर्घटना होनी की संभावना अधिक हो जाती है।

गोला मील यार्ड तिराहे के पास गन्ना भरी ट्राली पलटी, डिवाइडर पर बैठे दो युवक घायल

गोला गोकर्णनाथ खीरी। मंगलवार को गोला चीनी मिल यार्ड निकट गन्ना की ट्राली पलटने से डिवाइडर पर बैठे दो युवक घायल हो गए जिन्हें पुलिस द्वारा सीएचसी गोला भेजा गया। मौके पर हमराहियों के साथ पहुंचे कोतवाली प्रभारी निरीक्षक क्रेन मंगवा कर ट्राली को हटवा कर वाधित आवा गमन को सुचारु किया। सुचना पाते गोला विधायक अमन गिरी, पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू भी मौके पर पहुंचे लेकिन मील का कोई अधिकारी न ही कोई कर्मचारी पहुँचा।काफी देर बाद मील प्रशासन का जमावड़ा इकठ्ठा हुआ। उधर पालिका अध्यक्ष मौके पर पहुँच कर नगर पालिका से जेसीबी को मंगवा कर गन्ने को हटवाया। इधर गोला विधायक अमन गिरी भी खुद अपने कार्यकर्ता सहित गन्ना हटाने मे लग गए। लोगो का कहना था कि एक आदमी गन्ने के नीचे दवा है लेकिन जेसीबी आने के बाद कोई भी जान माल का नुकसान नहीं मिला।

धूमधाम से मनाया गया खाटू श्याम का संकीर्तन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला नगर के समीपवर्ती कंजादेव स्थान पर श्रीश्याम दीवाने सेवा समिति गोला द्वारा मोक्षदा एकादशी के उपलक्ष्य पर खाटू श्याम मंदिर में एक भव्य संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तत्तपश्चात मंदिर प्रांगण श्रद्धालुओं से पूरी तरह भरा हुआ था, और गणेश स्तुति से संकीर्तन हुआ शुभारंभ जिसमें अजय गुप्ता और शिवम गुप्ता ने अपनी मधुर आवाज से भजन सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भक्त खाटू श्याम के भजनों पर झूमते-नाचते नजर आए। सुंदर-सुंदर भजनों को सुन श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। शास्त्रों में बताया गया है कि इस एकादशी का व्रत रखने से सभी जन्मों के पाप भी मिट जाते हैं और भक्त को बैकुंठ धाम की प्राप्ति होती है. मोक्षदा नाम इसीलिए पड़ा है क्योंकि कहा गया है कि इस दिन किया गया व्रत और पूजा पितरों को भी मोक्ष प्रदान करती है. यही कारण है कि लोग इस दिन भगवान विष्णु को समर्पित व्रत रखकर अपने पूर्वजों का कल्याण करते हैंसंकीर्तन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और खाटू श्याम की भक्ति में लीन हो गए। पुरुष, महिलाएं और बच्चे सभी इस संकीर्तन में सम्मिलित हुए और खाटू श्याम के जयकारों से मंदिर प्रांगण को गुंजायमान कर दिया।कार्यक्रम का समापन श्री खाटू श्याम बाबा की आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। मंदिर के पुजारी सन्तोष पाठक ने भक्तों को श्याम बाबा का आशीर्वाद दिया और सभी ने बड़े ही श्रद्धा-भाव से प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर समिति के अध्यक्ष दीपक राजपूत(बोझिया वाले) महामंत्री अजय गुप्ता,संरक्षक अनिल जलोटा,अनिरुद्ध गुप्ता, शिवम गुप्ता,मीडिया प्रभारी सुधीर गुप्ता, आशुतोष रस्तोगी,बबलू जायसवाल, शिवम गुप्ता, संतोष गुप्ता, अनुराग गुप्ता, सुमित राठौर,रिशू महेश्वरी, मयंक महेश्वरी, विवेक कुमार सहित अन्य सभी सेवादार उपस्थित रहे।

यूपी डायल 112 में तैनात आरक्षी ने लगाई फांसी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। उत्तर प्रदेश में जनपद कानपुर के कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत यूपी डायल 112 में तैनात आरक्षी ने मंगलवार को संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच में जुट गई।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि मूलरूप से मथुरा के गोवर्धन थाना क्षेत्र स्थित गांव मढैरा के रहने वाले मान महेंद्र (30) 2018 बैच के सिपाही थे। 13 जून को रावतपुर थाने से यूपी डायल 112 में भेजे गए थे। इसके बाद वह थाना किदवई नगर की पीआरबी 1246 में तैनात थे।

वर्तमान में आरक्षी मान महेंद्र कल्याणपुर थाना क्षेत्र के बारा सिरोही बंबा रोड पर पूर्व ब्लाक प्रमुख अजय यादव के चार मंजिला मकान में पत्नी कविता और दो बेटों के साथ रहते थे। इसी मकान के दूसरे माले पर कल्याणपुर थाने के दारोगा इतेंद्र कुमार भी रहते थे। दरोगा जितेंद्र कुमार अपना हेलमेट लेने के लिए आज महेंद्र के कमरे पर पहुंचे तो उन्होंने दरवाजा खटखटाया। आवाज दी, लेकिन कोई रिस्पांस नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने खिड़की से झांक कर देखा तो महेंद्र का शव पंखे से लटक रहा था। उन्होंने घटना के संबंध में आला अधिकारियों को सूचना दी। मौके पर पहुंची फील्ड यूनिट ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित किए लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि घटना की जानकारी मृतक सिपाही के परिजनों को देते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ के दौरान यह भी मालूम पड़ा की 26 नवंबर को उनकी पत्नी अपने दोनों बच्चों के साथ मायके गई थी।

19वीं जंबूरी में कृषक समाज गोला के स्काउट गाइड चमके

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। भारत स्काउट और गाइड की डायमंड जुबली का ग्रांड फिनाले तथा 19वीं जंबूरी का आयोजन लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड पर बिगत 23 नवंबर से 29 नवंबर तक भव्य रूप से किया गया। जंबूरी में भारत सहित एशिया पेसिफिक देशो के 35000 से अधिक स्काउट एवं गाइड ने प्रतिभाग किया। इस आयोजन में जनपद खीरी के विभिन्न विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों एवं स्काउट प्रभारियों ने जिला विद्यालय निरीक्षक खीरी विनोद कुमार मिश्रा के आदेश के अनुपालन में जिला सचिव डॉ के सी मिश्रा के नेतृत्व में तथा लक्ष्मी शंकर अग्निहोत्री एवं विष्णु दत्त भार्गव के दिशा निर्देशन में प्रतिभाग किया।

कृषक समाज इंटर कॉलेज गोला के स्काउट प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कॉलेज से चार स्काउट एवं छह गाइडों के दल ने शिक्षिका आरती गुप्ता के साथ सम्मिलित हुए। जंबूरी के आयोजन में स्काउट एवं गाइड के मध्य एडवेंचर के विभिन्न कार्यक्रम के साथ कलर पार्टी, सांस्कृतिक कार्यक्रम , बैंड प्रदर्शन, विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी, फूड प्लाजा, क्राफ्ट मेकिंग आदि प्रतियोगिताएं संपन्न हुई। जिसमें प्लास्टिक वेस्टेज से क्राफ्ट बनाने में कृषक समाज गोला की गाइडों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अर्जित कर ?5000 का नकद पुरस्कार जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। स्काउट एवं गाइड के दल के विद्यालय पहुंचने पर प्रबंधक एवं पूर्व सांसद माननीय रवि प्रकाश वर्मा एवं प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज ने संयुक्त रूप से सम्मानित किया। सम्मान समारोह के दौरान प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष नारायण लाल वर्मा उपप्रधानाचार्य लखपति भारती वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ अनिल कुमार, ओम प्रकाश यादव, अशोक कुमार वर्मा ,अरविंद यादव सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

चोरों का आतंक: समरसेविल पंप चोरी में असफल, 900 फिट डिलीवरी पाइप चोरी

अज़ान खीरी। हैदराबाद थाना की अजान पुलिस चौकी क्षेत्र में चोरों का आतंक चरम पर है। बीते शनिवार रात अजान निवासी कैलाश नाथ सिंह के ट्यूबवेल पर चोरों ने समरसेबल पंप चुराने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहने पर उन्होंने कोठरी में रखी करीब 900 फिट डिलीवरी पाइप चोरी कर ली। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने देखा कि कोठरी का दरवाजा खुला हुआ था और अंदर रखी पाइप गायब थी। कैलाश नाथ सिंह ने अजान चौकी में लिखित तहरीर दी है, लेकिन अभी तक मुकदमा पंजीकृत नहीं हुआ है। ग्रामीणों द्वारा पुलिस गस्त पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। उनका कहना है कि क्षेत्र में चोरी की वारदातें बढ़ रही हैं और पुलिस की गस्त पर्याप्त नहीं है।

चार दिसंबर को खीरी आएगी राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य अर्चना मजूमदार

लखीमपुर खीरी। राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा जनपद में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओ को त्वरित न्याय दिलाये जाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय महिला आयोग की माननीय सदस्य श्रीमती अर्चना मजूमदार 04 दिसंबर को लखीमपुर खीरी पहुंच रही हैं, जहां वे महिलाओं की जनसमस्याएं सुनेंगी। कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक विशेष जनसुनवाई का आयोजन किया गया है। इसमें पीड़ित महिलाएं अपने प्रकरण सीधे आयोग के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगी। घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, महिला सुरक्षा, कार्यस्थल पर प्रताड़ना और अन्य गंभीर मामलों पर आयोग द्वारा तत्काल निर्देश और आवश्यक कार्रवाई की संभावना है।

गांव में चोरों का आतंक , सूने तीन मकानों से लाखों का सामान चोरी

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के राठ कोतवाली क्षेत्र के सरसेड़ा माफ ग्राम पंचायत के छिरावल गांव में अज्ञात चोरों ने तीन सूने घरों को निशाना बनाकर लाखों का सामान चोरी कर लिया। घटना के समय तीनों परिवार ईंट भट्ठों पर मजदूरी करने गए हुए थे। घर लौटने पर टूटी हुई कुंडियां और बिखरा सामान देखकर गृहस्वामियों के पैरों तले जमीन खिसक गई। मंगलवार को तीनों पीड़ितों ने राठ कोतवाली में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पहले पीड़ित कमलेश रैकवार पुत्र डालचंद रैकवार ने मंगलवार को बताया कि उनके बंद पड़े घर में घुसे चोर बहू और बेटी के सोने-चांदी के जेवरों के साथ 3,800 रुपये नकद ले गए। कुल मिलाकर उन्हें लगभग 9 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। गांव के ही धनीराम रैकवार ने बताया कि उनके मकान से चोर सोने-चांदी के गहनों के अलावा 4,000 रुपये नकद भी उठा ले गए। चोरी में उन्हें करीब डेढ़ लाख रुपये का नुकसान हुआ है। तीसरे पीड़ित गनशन रैकवार पुत्र डालचंद के घर से चोर चांदी के गहने व 5,000 रुपये नकद पार कर ले गए। उन्हें लगभग 50 हजार रुपये की क्षति हुई है। तीनों परिवारों ने बताया कि घर लौटने पर दरवाजों के ताले टूटे मिले। मंगलवार को राठ कोतवाली के प्रभारी इंस्पेक्टर राकेश कुमार ने बताया कि घटना की गहन जांच की जा रही है। आसपास के इलाकों में संदिग्धों की तलाश जारी है और जल्द ही चोरों का सुराग मिलने की उम्मीद है।

एंबुलेंस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत,साथी घायल

फर्रुखाबाद। राजेपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर शाम को तेज रफ्तार एंबुलेंस ने बाइक सवार युवकों को कुचल दिया, जिसमें एक युवक की मौत हो गई। दूसरा साथी घायल हैं, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वारदात के बाद चालक वाहन लेकर भाग निकला। थाना राजेपुर के ग्राम भुड़िया भेड़ा निवासी अनुज प्रताप सिंह उर्फ जीत (24) अपने साथी शोभित (21) के साथ बाइक से राजेपुर जा रहे थे। वे लोग अभी बदायूं मार्ग पर स्थित नासा नाला के पास पहुंचे थे, तभी, एक तेज रफ्तार एम्बुलेंस ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए लोहिया अस्पताल भेजा, जहां ईएमओ डॉ. अभिषेक चतुर्वेदी ने अनुज प्रताप को मृत घोषित कर दिया, जबकि शोभित का इलाज चल रहा हैं। एक साल पहले ही अनुज की शादी रानी सिंह से हुई थी।

ज़िले में मिसाल बने बीएलओ, सभी तहसीलों में सम्मान की गूंज

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में बेहतरीन प्रदर्शन, एसडीएमों ने बढ़ाया मनोबल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- लखीमपुर व श्रीनगर- छह बीएलओ सम्मानित, मोहम्मदी : तीन बीएलओ ने रखा गुणवत्ता का मानक ऊँचा
- गोला, कस्ता, पलिया, धौरहरा व निघासन में अनुकरणीय प्रदर्शन पर मिला सम्मान

लखीमपुर खीरी। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत बीएलओ द्वारा किए गए शत-प्रतिशत और गुणवत्तापूर्ण कार्य को लेकर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देश पर जिले के सभी तहसीलों में सम्मान समारोह आयोजित किए गए। ग्राम-गली और घर-घर पहुंचकर मतदाता सत्यापन करने वाले इन कर्मठ बीएलओ को प्रशासन ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के सच्चे सेनानी बताया। जिले की सभी आठ विधानसभा से तीन-तीन बीएलओ को चयनित कर सम्मानित किया गया।

एसडीएम अश्विनी कुमार सिंह ने विधानसभा 142 लखीमपुर में बीएलओ पूनम अवस्थी (बूथ 365), बल सिंह यादव (बूथ 309) व अमित कुमार तिवारी (बूथ 380) को सम्मानित किया। इसी क्रम में एसडीएम अर्चना ओझा ने 140 श्रीनगर विधानसभा में बीएलओ श्वेता मिश्रा (बूथ 104), सुनील कुमार (बूथ 105) तथा पदमा पांडे (बूथ 106) को शत-प्रतिशत ड्डन्न्च्ट कार्य के लिए सम्मान मिला। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एसडीएम मोहम्मदी ने विधानसभा मोहम्मदी क्षेत्र में बूथ संख्या 125 की बीएलओ श्रीमती सोनिया, बूथ 209 के आमिर खान तथा बूथ 11 के सरनाम सिंह को उत्कृष्ट मैपिंग के लिए सर्टिफिकेट, शॉल और उपहार देकर सम्मानित किया गया। विधानसभा 139 गोला गोकर्णनाथ में एसडीएम गोला प्रतीक्षा त्रिपाठी ने बीएलओ सोमवारी लाल, मनीषा देवी और हसीब खां को ड्डन्न्च्ट कार्य शत-प्रतिशत पूरा करने पर सम्मानित किया। विधानसभा धौरहरा में एसडीएम शशिकांत मणि ने बूथ 12 के बीएलओ पवन कुमार, बूथ 159 के शैलेन्द्र कुमार और बूथ 200 के पंकज कुमार को सम्मानित किया। एसडीएम मधुसूदन गुप्ता ने कस्ता विधानसभा की बूथ 186 के राजेश कुमार, बूथ 200 के फिरोज अख्तर खान और बूथ 201 के अब्दुल सत्तार खां को सम्मान पत्र प्रदान किया। तहसील पलिया में बूथ 10 की बीएलओ राजमती, बूथ 29 के बीएलओ रामफूल राना और बूथ 32 की बीएलओ सावित्री राना को ड्डन्न्च्ट कार्य शत-प्रतिशत पूरा करने पर सम्मानित किया गया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला जीतने के लिये भारत की नजरें कोहली-रोहित की जोड़ी पर

एजेंसी

रायपुर। ड्रेसिंग रूम के माहौल को लेकर अफवाहों के बीच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को दूसरा वनडे और श्रृंखला जीतने के लिये भारत की उम्मीदें विराट कोहली के शानदार फॉर्म और रोहित शर्मा की दमदार मौजूदगी पर लगी होंगी। कोहली के 52वें वनडे शतक और रोहित की 57 रन की आक्रामक पारी के दम पर भारत ने रांची में पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराया। वनडे विश्व कप 2027 में अभी दो साल है और ऐसे में कोहली और रोहित के लिये हर मैच अपनी फिटनेस और फॉर्म को साबित करने का जरिया है। मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ लगातार बढते मतभेदों का मसला भी अहम है। इसे लेकर लग रही अटकलों के बीच लगता है कि बीसीसीआई को कहीं न कहीं दखल देना होगा। पिछले दो वनडे में भारत की जीत के सूत्रधार रहे रोहित और कोहली ने दक्षिण अफ्रीका में होने वाले विश्व कप के लिये अपना दावा पुख्ता कर दिया है। रोहित के शानदार प्रदर्शन से भारत ने अक्टूबर में आस्ट्रेलिया को सिडनी वनडे में नौ विकेट से हराया था। चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर और गंभीर ने विश्व कप में दोनों की भागीदारी को लेकर कुछ नहीं कहा है जो शायद तनाव की वजह हो सकता है। पहला मैच जीतने के बावजूद भारत की चिंता कम नहीं हुई है। लिस्ट ए क्रिकेट में प्रभावी प्रदर्शन करने वाले रुतुराज गायकवाड़ को चौथे नंबर पर भेजा गया लेकिन वह इसके लिये तैयार नहीं दिखे। कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल छठे नंबर पर उतरे। वॉशिंगटन सुंदर को बल्लेबाजी क्रम में प्रयोगों की आदत हो चुकी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में तीसरे नंबर पर उतरने के बाद उन्हें पहले वनडे में पांचवें नंबर पर भेजा गया लेकिन वह बड़ी पारी नहीं खेल सके। गेंदबाजी में उन्होंने तीन ही ओवर डाले और 18 रन दिये। हर्षित राणा ने नयी गेंद से दो विकेट लिये लेकिन बाद में काफी रन दिये। उन्हें इस पर नियंत्रण करना होगा खासकर जब 34वें ओवर के बाद सिर्फ एक ही गेंद से खेलना होता है। बल्ले और गेंद के बीच संतुलन के लिये आईसीसी के नये नियम के तहत उपलब्ध दो में से एक ही गेंद 34वें से 50वें ओवर के बीच इस्तेमाल की जा सकती है। कुलदीप यादव ने 68 रन देकर चार विकेट चटकाये। वह महंगे भले ही साबित हुए लेकिन उनकी विविधतापूर्ण गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका वापसी के प्रयास के बावजूद नाकाम रहा। दक्षिण अफ्रीका ने एक समय तीन विकेट 11 रन पर गंवा दिये थे लेकिन इसके बाद शानदार वापसी की। मार्को यानसेन ने 26 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और 39 गेंद में 70 रन बनाये।

कोहली और रोहित की मौजूदगी में भारत का सामना करना कोई नई बात नहीं : बावुमा

एजेंसी

रायपुर। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा की मौजूदगी वाली भारतीय टीम का सामना करना कोई नई बात नहीं है, लेकिन इससे मेजबान टीम को मजबूती मिलती है। बावुमा की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका ने दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भारत को 2-0 से करारी शिकस्त दी थी। बावुमा तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले में एकादश का हिस्सा नहीं थे लेकिन वह बुधवार को खेले जाने वाले दूसरे वनडे में वापसी के लिए तैयार हैं। रांची में खेले गये पहले मैच में कोहली के 52वें वनडे शतक और रोहित के 57 रनों की बदौलत भारत ने 17 रन से जीत दर्ज की थी। बावुमा ने यहां शहीद वीर नारायण स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के अभ्यास सत्र से पहले मीडिया से कहा, ''इन दो खिलाड़ियों के आने से टीम को मजबूती मिलती है। जैसा कि हमने श्रृंखला की शुरुआत में कहा था। ये दोनों खिलाड़ी काफी अनुभवी और कुशल हैं। इससे टीम को फायदा ही होगा।'' उन्होंने कहा, ''यह ऐसी बात नहीं है जिसके बारे में हमें जानकारी न हो।'' बावुमा ने कहा कि रोहित की मौजूदगी वाली भारतीय टीम ने 2007 में दक्षिण अफ्रीका में जब टी20 विश्व कप जीता था तब वह स्कूली छात्र थे। उन्होंने कहा, ''हमने रोहित के खिलाफ खेला है। मुझे लगता है कि 2007 के टी20 विश्व कप के समय मैं स्कूल में था। मेरा मतलब है, ये खिलाड़ी काफी समय से भारतीय टीम में है, इसलिए इसमें कोई नई बात नहीं है। ये विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं।'' उन्होंने कहा, ''उनके खिलाफ खेलना कोई नई बात नहीं है, हम उनका सामना करना चुके हैं। यह भी सही है कि उनकी मौजूदगी में हमें ज्यादातर मैचों में निराशा मिली है लेकिन हमने उनके खिलाफ अच्छा समय भी बिताया है। यह सब इस श्रृंखला को और भी रोमांचक बनाता है।'' बावुमा ने इस बीच कहा कि दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन के खेल के दौरान दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुकरी कोनराड द्वारा इस्तेमाल किए गए 'ग्रोवेल (घुटना टेकने पर मजबूर करना)' शब्द पर उन्हें स्पष्टीकरण देने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, ''नहीं, मुझे नहीं लगता कि यह ध्यान भटकाने वाला है। मुझे इस पर स्पष्टीकरण देने की जरूरत नहीं है।'' बावुमा ने पहले वनडे में 39 गेंद में 70 रन की पारी खेल कर दक्षिण अफ्रीका की मैच में वापसी कराने वाले मार्को यानसन की जमकर तारीफ करते हुए कहा, एक हरफनमौला के तौर पर मुझे नहीं पता कि वह रैंकिंग में कहां है (लेकिन) मुझे यकीन है कि यानसेन किसी एक प्रारूप में शीर्ष 10 में जरूर होंगे।

संक्षिप्त समाचार

सरकार ने एशियाई पैरा खेलों के दल को मंजूरी दी, पृष्ठभूमि जांचकर भेजने के आदेश दिये

नयी दिल्ली। खेल मंत्रालय ने दुबई में सात से 14 दिसंबर तक होने वाले एशियाई युवा पैरा खेलों के लिये 161 सदस्यीय भारतीय दल को मंजूरी दे दी लेकिन अतीत में विदेश में कुछ अधिकारियों और खिलाड़ियों के गायब होने की घटनाओं को देखते हुए सभी की पृष्ठभूमि की जांच भी अनिवार्य कर दी है। सूची में 99 खिलाड़ियों (61 पुरूष और 38 महिलाओं) , 62 कोचों, सहयोगी स्टाफ और दल के अधिकारियों के नाम है। मंत्रालय ने दल के लौटने के 30 दिन के भीतर प्रदर्शन पर भी विस्तृत रिपोर्ट मांगी है जिसमें एक्शन फोटो और अन्य विजुअल शामिल हैं। भारतीय पैरालम्पिक समिति (पीसीआई) को भेजे पत्र में कहा गया ,''अतीत में विदेश में कुछ अधिकारियों और खिलाड़ियों के गायब होने की घटनाओं के कारण मंत्रालय का मानना है कि दल के सदस्यों और अधिकारियों की पृष्ठभूमि की भारतीय खेल प्राधिकरण या राष्ट्रीय खेल महासंघों द्वारा पूरी जांच कराई जाये। पीसीआई महासचिव जयवंत गुंडू हम्मानावर अकेले अधिकारी है जिनकी यात्रा सरकार के खर्चे पर नहीं होने के आधार पर मंजूरी मिली है। वह दल प्रमुख भी होंगे। मंत्रालय ने कहा ,'' पीसीआई यह सुनिश्चित करेगी कि पीसीआई की कार्यकारी समिति , किसी राष्ट्रीय खेल महासंघ या अन्य खेल ईकाई में पदधारी कोई व्यक्ति, जिसका नाम सूची में है , उसकी लागत सरकार द्वारा वहन नहीं की जायेगी। कुछ शीर्ष पैरा एथलीटों ने बड़े टूर्नामेंटों के दौरान सहयोगी स्टाफ और व्हीलचेयर सहयोगियों के गायब होने के मसले पर चिंता जताई थी। खिलाड़ियों के गायब होने का कोई मामला प्रकाश में नहीं आया है लेकिन अधिकारियों द्वारा विदेशी स्पर्धाओं को छुट्टियों की तरह मनाने की शिकायतें मिलती रही हैं। एक शीर्ष सूत्र ने बताया अक्टूबर में एशियाई पैरा टेबल टेनिस चैम्पियनशिप के दौरान व्हीलचेयर पर निर्भर एक कोच अपने बेटे को सहयोगी के रूप में ले गया और बीजिंग में स्पर्धा के दौरान दोनों गायब हो गए। दोनों खरीदारी और घूमने में व्यस्त थे। कोच मैच देखने भी नहीं आया और ऐसा काफी समय से हो रहा था।

फाफ को छोड़ना कठिन था लेकिन हमे युवा विकल्प की जरूरत थी : डीसी कोच बदानी

नयी दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच हेमांग बदानी ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज फाफ डु प्लेसी को छोड़ना आसान फैसला नहीं था लेकिन टीम के खेलने की शैली के अनुरूप युवा और अधिक आक्रामक विकल्प के लिये ऐसा करना पड़ा। डु प्लेसी आईपीएल कैरियर में चेन्नई सुपर किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और अब खत्म हो चुकी राइजिंग पुणे सुपरजाइंट के लिये खेल चुके हैं। वह पिछले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा थे और अब पाकिस्तान सुपर लीग खेलेंगे। बदानी ने जियोस्टार पर 'टाटा आईपीएल रिटेंशन' शो में कहा ,'' फाफ डु प्लेसी जैसे खिलाड़ी को छोड़ना आसान नहीं होता। उसे छोड़ने का फैसला कठिन है क्योंकि इतने साल में उसने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा ,'' हमे लगा कि युवा विकल्प को आजमाने का समय आ गया है जो अधिक आक्रामक हो और हमारी टीम के खेलने की शैली में ढल सके। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जैक फ्रेसर मैकगुर्क को छोड़ने के फैसले पर बदानी ने कहा ,'' हमने पिछले सत्र के प्रदर्शन पर उसका समर्थन किया लेकिन हमे लगा कि उस पर नौ करोड़ रूपये खर्च नहीं किये जा सकते। इसलिये उसे छोड़ने का फैसला किया। वहीं भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि दिल्ली कैपिटल्स के पास अच्छे भारतीय खिलाड़ी हैं लेकिन सलामी जोड़ी पर काम करना होगा।

गुरबाज ने गंभीर को 'सर्वश्रेष्ठ कोच और इंसान' बताया

दुबई। गौतम गंभीर के कोचिंग के तरीकों को लेकर भले ही भारत में अलग अलग राय हो लेकिन अफगानिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने कहा कि केकेआर के पूर्व मेंटोर गंभीर सर्वश्रेष्ठ कोच हैं और उनकी आलोचना से वह हैरान हैं। दक्षिण अफ्रीका के हाथों टेस्ट श्रृंखला में 0 . 2 से हार और उससे पहले न्यूजीलैंड से मिली 0 . 3 से हार की वजह से गंभीर आलोचना के घेरे में है। भारतीय टीम पिछले सात में से पांच टेस्ट गंवा चुकी है। आईपीएल 2024 विजेता केकेआर टीम के सदस्य रहे गुरबाज ने कहा कि 'गौतम सर' की आलोचना सही नहीं है। यहां आईएलटी20 के चौथे सत्र से इतर पीटीआई को दिये इंटरव्यू में उन्होंने कहा ,'' आपके देश के एक एक अरब 40 करोड़ लोगों में से 20 या 30 लाख उनके खिलाफ हो सकते हैं लेकिन बाकी गौतम सर और भारतीय टीम के साथ हैं। उन्होंने कहा ,'' वह सर्वश्रेष्ठ कोच , मेंटोर और इंसान हैं। मुझे उनके काम करने का तरीका बहुत पसंद है। गुरबाज ने कहा ,'' भारत ने चैम्पियंस ट्रॉफी वनडे टूर्नामेंट जीता, टी20 में एशिया कप जीता। कई श्रृंखलायें जीती और सिर्फ एक श्रृंखला के लिये उन्हें दोषी नहीं ठहरा सकते। गुरबाज ने कहा कि गंभीर की सबसे बड़ी ताकत केकेआर टीम में ऐसा माहौल बनाना थी जिसमे खिलाड़ी दबाव के बिना, अनुशासन और इत्मीनान से अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे।

महाराष्ट्र 2026 से राज्य के बिजली उपक्रमों को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करेगा: फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि 2026 से चरणबद्ध तरीके से सरकारी बिजली उपक्रमों को शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया जाएगा। इसमें सबसे पहले बिजली पारेषण कंपनी को सूचीबद्ध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन संस्थाओं को अधिक कुशल और चुस्त बनाने के लिए ऐसा करना जरूरी है। फडणवीस ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, ॣसरकारी संस्थाओं और निगमों को सूचीबद्ध करने का यह सही वक्त है। हमने फैसला किया है कि सबसे पहले बिजली वितरण कंपनी को सूचीबद्ध किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार को 2026 में महाराष्ट्र राज्य बिजली पारेषण कंपनी के सूचीबद्ध होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पारेषण कंपनी को सूचीबद्ध करने के बाद दूसरे चरण में उत्पादन कंपनी और उसके बाद वितरण कंपनियों को सूचीबद्ध किया जाएगा।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने बजरंग, विनेश की याचिका खारिज की

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ के दिसंबर 2023 में हुए चुनाव को चुनौती देने वाली बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और सत्यव्रत कादियान की याचिका खारिज कर दी क्योंकि अलग अलग तारीखों पर भी वे अदालत के समक्ष पेश नहीं हुए। इन तीनों ओलंपियनों की उम्मीदवार अनिता श्योराण को हराकर संजय सिंह उस समय अध्यक्ष बने थे। न्यायाधीश मिनी पुष्करना ने 27 नवंबर को मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि सुनवाई के दौरान एक भी याचिकाकर्ता मौजूद नहीं था और पिछली दो सुनवाई में भी वे नहीं आये। अदालत ने अपने फैसले में कहा ,'' लगता है कि इस मामले को आगे ले जाने में याचिकाकर्ताओं की कोई रूचि नहीं है। पहलवानों ने आरोप लगाया था कि डब्ल्यूएफआई चुनाव अच्छे और पारदर्शी माहौल में नहीं हुए थे। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में कमियों और अनियमितताओं के आरोप लगाये थे। याचिकाकर्ताओं के बार बार सुनवाई के दौरान पेश नहीं होने के कारण अदालत ने याचिका रद्द कर दी।

यूरोपियन क्रिकेट एसोसिएशन 2026 में लॉन्च करेगा यूरो टी20 क्लब चैंपियंस ट्रॉफी

एजेंसी

इस्तांबुल। यूरोपियन क्रिकेट एसोसिएशन (ईसीए) यूरोपियन क्रिकेट एसोसिएशन वर्ष 2026 से यूरोपियन चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत करने जा रहा है। यह एक टी20आई प्रतियोगिता होगी जिसमें पूरे महाद्वीप के राष्ट्रीय क्लब चैंपियंस हिस्सा लेंगे। पिछले सप्ताह इस्तांबुल में हुई वार्षिक बैठक के दौरान ईसीए ने सदस्य देशों से 31 जनवरी 2026 तक टूर्नामेंट की मेजबानी के प्रस्ताव भेजने को कहा है। अंतिम निर्णय फरवरी में लिया जाएगा। ईसीए ने वैश्विक स्तर पर टी10 क्रिकेट के बढ़ते व्यावसायिक संभावनाओं को भी स्वीकार किया। संस्था ने कहा कि 2026 में टी10 इवेंट्स की शुरुआत की व्यवहार्यता पर विचार किया जाएगा ताकि सदस्य संघों को वित्तीय मजबूती प्रदान की जा सके। इस

संबंध में मार्केटिंग और प्रतियोगिता आयोग की सिफारिशें 2026 में कार्यकारी समिति को प्रस्तुत की जाएंगी। 13 सदस्य देशों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित कंग्रेस में शासन से लेकर प्रतियोगिता योजनाओं तक कई मुद्दों पर चर्चा हुई। चुनावों में रोमानिया के गैब्रिएल मारिन ईसीए के नए अध्यक्ष चुने गए, जबकि नॉर्वे के यूसुफ गिलानी पहले उपाध्यक्ष बने। इसके अलावा गुरुमूर्ति पलानी (फ्रांस), मोहम्मद बिलाल ज़लमानी (ऑस्ट्रिया) और इंडिका थिलन परेरा (माल्टा) को उपाध्यक्ष बनाया गया। ईसीए के एसोसिएशन आर्टिकल 7 के अनुसार बोर्ड को 11 सदस्यों तक विस्तारित किया गया। नए बोर्ड सदस्यों में निकोलस फोर्नाराकिस (ग्रीस), निकोलाय कोलेव (बुल्गारिया), अब्दुल शाकूर (रोमानिया), नाहित साहिन (तुर्किये), सारा गोमरसॉल (जर्सी) और लुका ब्रूनो मलास्पिना (इटली) शामिल हैं। ईसीए ने अगले चार वर्षों के लिए आंतरिक शासन संरचना को अंतिम रूप दिया है और आने वाले तीन वर्षों की प्रतियोगी योजनाओं को भी रेखांकित किया है, जिसमें पुरुषों और महिलाओं की यूरोपीय चैंपियनशिप तथा प्रमुख लक्ष्य के रूप में अंडर-19 यूरोपियन चैम्पियनशिप शामिल है। कंग्रेस में जमीनी स्तर पर क्रिकेट को बढ़ावा देने, स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करने और खेल को शिक्षा, समावेशन और सामाजिक एकता के उपकरण के रूप में उपयोग करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई गई। ईसीए अध्यक्ष मारिन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ल्हमने चार साल के लिए अपनी शासन संरचना तैयार कर ली है और दीर्घकालिक रणनीतिक लक्ष्यों को तय कर दिया है। उद्देश्य है कि क्रिकेट को यूरोपीय खेल परिदृश्य में एक सफल और स्थायी कहानी बनाया जाए।

खरीदार नहीं मिलने की आशंका से मैक्सवेल ने आईपीएल नीलामी से नाम वापिस लिया

सिडनी। आईपीएल में एक दशक के कैरियर में कुछ खास नहीं कर सके ग्लेन मैक्सवेल ने अबुधाबी में 16 दिसंबर को होने वाली मिनी नीलामी से नाम वापिस ले लिया। 'बिग शो' के नाम से मशहूर 37 वर्ष के मैक्सवेल ने 2012 से हर आईपीएल (2019 को छोड़कर) खेला है। वह 141 मैचों में 2819 रन ही बना सके और उनका औसत 24 से भी कम रहा। उन्होंने अपनी आफ ब्रेक गेंदबाजी से 8.30 की इकॉनामी रेट से 41 विकेट लिये। मैक्सवेल ने इंस्टाग्राम पर लिखा, आईपीएल में कई यादगार सत्रों के बाद मैने इस साल नीलामी से नाम वापिस लेने का फैसला किया है। यह बड़ा फैसला है और लीग से जो कुछ भी मिला है , उसके प्रति कृतज्ञता जताते हुए लिया है। उन्होंने लिखा ,'' आईपीएल ने मुझे एक क्रिकेटर और इंसान के तौर पर निखारा है। मैने कई विश्व स्तरीय खिलाड़ियों और टीमों के साथ खेला और क्रिकेट के लिये असाधारण जुनून रखने वाले दर्शकों के सामने खेला है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र की बिक्री पेशकश शुरू सरकार बेचेगी 6 फीसदी तक हिस्सेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) की बिक्री पेशकश (ओएफएस) गैर-खुदरा निवेशकों के लिए 54 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर मंगलवार को खुल गया। इस बैंक में सरकार न्यूनतम मूल्य पर अपनी छह फीसदी हिस्सेदारी बेचकर लगभग 2,492 करोड़ रुपये जुटाएगी। शेयर बिक्री के विवरण-पत्र के मुताबिक बुधवार को खुदरा निवेशकों के लिए ओएफएस खुलेगा। बैंक ऑफ महाराष्ट्र के बिक्री पेशकश के लिए न्यूनतम मूल्य 54 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। यह बॉम्?बे स्?टॉक एक्?सचेंज (बीएसई) पर बैंक के शेयरों के सोमवार के बंद भाव 57.66 रुपये प्रति शेयर से 6.34 फीसदी कम है। सरकार के पास वर्तमान में पुणे स्थित इस बैंक में 79.60 फीसदी हिस्सेदारी है। आधार प्रस्ताव में 38,45,77,748 शेयर शामिल हैं, जो बैंक की चुकता शेयर पूंजी का पांच फीसदी है। इसके अतिरिक्त 7,69,15,549 शेयर यानी एक फीसदी हिस्सेदारी 'ग्रीन-शू' विकल्प के तहत उपलब्ध है। इससे इसका कुल आकार 46.14 करोड़ शेयर या छह फीसदी हिस्सेदारी बैठता है। ओएफएस के बाद हिस्सेदारी को कम करने से बैंक 25 फीसदी की न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता मानदंड को पूरा करने में सक्षम हो जाएगा। सरकारी हिस्सेदारी 75 फीसदी से कम हो जाएगी। यह ओएफएस भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से जारी प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियमों के तहत है। इसके अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र सहित सभी सूचीबद्ध कंपनियों में न्यूनतम 25 फीसदी की सार्वजनिक शेयरधारिता होना अनिवार्य है। इसके अलावा सरकार की चार अन्य बैंकों३इंडियन ओवरसीज बैंक (94.6 फीसदी), पंजाब एंड सिंध बैंक (93.9 फीसदी), यूको बैंक (91 फीसदी) और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (89.3 फीसदी)३में हिस्सेदारी न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता सीमा से अधिक है। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने सीपीएसई और सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों को इसके लिए अगस्त तक छूट दी है।

विभिन्न देशों के साथ हाल में हुए एफटीए से व्यापार में अच्छी वृद्धि: फिक्की अध्यक्ष

नयी दिल्ली। उद्योग मंडल फिक्की के अध्यक्ष अनंत गोयनका ने मंगलवार को कहा कि भारत में हाल ही में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से व्यापार में अच्छी वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने साथ ही कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते उन प्रमुख समझौतों में से हैं जिनका भारतीय उद्योग उत्सुकता से इंतजार कर रहा है। गोयनका ने कहा, '' हमने जिन मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, उन पर सकारात्मक प्रगति देखी जा रही है। हाल ही में हुए मुक्त व्यापार समझौतों के बाद व्यापार में अच्छी वृद्धि हुई है। भारत ने हाल ही में मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार सदस्यीय देश वाले यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के साथ व्यापार समझौते किए हैं। ब्रिटेन के साथ भी ऐसा ही एक समझौता किया गया है लेकिन अभी तक वह लागू नहीं हुआ है।

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक बुधवार से

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की पांचवीं मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय द्विमासिक समीक्षा बैठक बुधवार, 3 दिसंबर से शुरू होकर 5 दिसंबर चलेगी। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा इस बैठक में लिए गए फैसलों की घोषणा 5 दिसंबर को सुबह 10 बजे करेंगे। आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि रिजर्व बैंक नीतिगत ब्याज दर (रेपो रेट) में 0.25 फीसदी तक की कटौती कर सकता है। आर्थिक मामलों के जानकारों ने मंगलवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की 5वीं मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रिजर्व बैंक नीतिगत ब्याज दर (रेपो रेट) में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा की अध्यक्षता में यह बैठक 3 से 5 दिसंबर तक चलेगी। इससे पहले रिजर्व बैंक ने लगातार दो बार रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया था। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि आरबीआई इस बार नीतिगत ब?याज दर में 25 बेसिस पॉइंट यानी 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। आरबीआई यदि इस बार इसमें कटौती करता है, तो यह 5.25 फीसदी हो जाएगा। अगर ऐसा होता है, तो कर्ज की ईएमआई में कमी आएगी।

रिलायंस रिटेल लिमिटेड ने आंतरिक पुनर्गठन की प्रक्रिया पूरी की

नई दिल्ली। देश की अग्रणी खुदरा कंपनी रिलायंस रिटेल लिमिटेड (आरआरएल) ने आंतरिक पुनर्गठन की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसके तहत उसके उपभोक्ता कारोबार को नई इकाई न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (न्यू आरसीपीएल) में हस्तांतरित कर दिया गया है। कंपनी ने शेयर बाजार को जानकारी में बताया कि न्यू आरसीपीएल अब रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की प्रत्यक्ष अनुषंगी कंपनी बन गई है। यह योजना एक दिसंबर से प्रभावी हो गई है और इसमें उद्योगपति मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाले समूह की 83.56 फीसदी हिस्सेदारी होगी। आरआरएल के मुताबिक यह योजना 1 दिसंबर, 2025 से प्रभावी हो गई है। योजना के तहत कंपनी की अनुषंगी कंपनी आरसीपीएल अब एक दिसंबर से अस्तित्व में नहीं है। आरआरवीएल में मूल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की 83.56 फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि आरआरवीएल में अन्य निवेशकों की 16.44 फीसदी हिस्सेदारी है। आरसीपीएल एफएमसीजी क्षेत्र में सबसे तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों में से एक है। इसने वित्त वर्ष 2024-25 में अपनी स्थापना के बाद से केवल तीन वर्ष में 11,000 करोड़ रुपये का राजस्व पार कर लिया है। रिलायंस ने 2022 में एफएमसीजी बाजार में प्रवेश किया था। उसके बाद से इसने कैंपा कोला सहित कई ब्रांड का अधिग्रहण किया। इसके साथ कई नए ब्रांड पेश किए हैं।

डिजिटल दौर की जटिल चुनौतियों से निपटने को जरूरी है वैश्विक सहयोग: वित्त मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि आर्थिक गतिविधियों के डिजिटलीकरण और नए वित्तीय उत्पादों के आने से वैश्विक अर्थव्यवस्था नई चुनौतियों का सामना कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन मुद्दों पर सभी अधिकार क्षेत्रों को मिलकर कार्रवाई करने की जरूरत है। वित्त मंत्री सीतारमण ने यहां आयोजित 18वीं वैश्विक मंच की पूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। सीतारमण ने कहा कि नई चुनौतियां हैं जिनके लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने अपने संबोधन में खास तौर पर

अर्थव्यवस्था के डिजिटलाइजेशन, नए वित्तीय उत्पादों के आने और लाभकारी स्वामित्व के बदलते स्ट्रक्चर की ओर इशारा किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए सभी देशों के बीच सामूहिक कार्रवाई बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि जानकारी शेयर करने को बेहतर बनाने के लिए देश मिलकर काम कर रहे हैं। इसलिए हमें गोपनीयता और साइबर सिक्योरिटी का बहुत ध्यान रखना होगा। ये ऐसी चुनौतियां नहीं हैं, जिन्हें कोई एक देश अकेले सुलझा सकता है। उन्होंने कहा कि इनके लिए तालमेल, भरोसा और ज़रूरी जानकारी का समय पर लेन-देन ज़रूरी है। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा सूचना को समय पर और कुशलता से समझने में मदद करती हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात है निर्णय, जिम्मेदारी और प्रक्रिया के प्रति सम्मान। उन्होंने कहा कि नवाचार हमेशा जवाबदेही के साथ चलना चाहिए। यही संतुलन प्रणालियों को मजबूती और विश्वसनीयता प्रदान करता है। इस मौके पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी और वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि 18वीं वैश्विक मंच पूर्ण बैठक एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन है, जो टैक्स ट्रांसपेरेंसी और अंतरराष्ट्रीय को-ऑपरेशन के जरिए ऑफशोर टैक्स चोरी के खिलाफ लड़ाई पर फोकस करती है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

जेपी नड्डा के नेतृत्व में भाजपा ने नई बुलंदियों को छुआ : गणेश केसरवानी

■ भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को कार्यकर्ताओं ने दी 64वें जन्मदिन की बधाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महापौर कार्यालय कीडगंज में मंगलवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा का 64वां जन्म दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी ने उनके सचित्र पर टीका चंदन लगाकर और मिठाई खिलाते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। महापौर ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने नई बुलंदियों को छुआ है। उनका संगठनात्मक कौशल, जनसेवा के प्रति निष्ठा और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनके नेतृत्व में देश स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को हासिल कर रहा है। भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक कुशल संगठन शिल्पी के रूप में संगठन को मजबूत बनाया और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री के रूप में भारत के विकास और लोकतंत्र दोनों को एक नई दिशा दी है। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई। संचालन पार्षद मुकेश कसेरा ने किया।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय : शिक्षिकाओं पर उत्पीड़न के आरोप, छात्राओं ने धरना प्रदर्शन कर लगाया जाम

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, शुकुल बाजार की छात्राओं ने मंगलवार को विद्यालय की दो शिक्षिकाओं पर उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाते हुए थाने के सामने सड़क जाम कर दिया। छात्राएँ और उनके परिजन आरोपी शिक्षिकाओं पर मुकदमा दर्ज कराने की मांग पर घंटों अड़े रहे। इससे काफी देर तक यातायात बाधित रहा। मंगलवार को दोपहर में विद्यालय की लगभग पचास छात्राएँ अपने परिजनों के साथ थाने पहुंचीं और शिक्षिकाओं पर मानसिक, जातिगत व शारीरिक उत्पीड़न के आरोप लगाते हुए नारेबाजी करने लगीं। परिजन राहुल बौद्ध की ओर से दी गई तहरीर में कहा गया है कि शिक्षिका नीतू श्रीवास्तव बच्चियों के साथ जाति सूचक टिप्पणियाँ करती हैं और नाम काट देने की धमकी देती हैं। छात्राओं का आरोप है कि शिक्षिकाएँ न केवल उन्हें प्रताड़ित करती हैं, बल्कि अन्य छात्राओं और अपनी बेटियों से गाली-गलौज और मारपीट करवाने तक के लिए उकसाती हैं। इससे बच्चियाँ भय और तनाव का माहौल झेलने को मजबूर हैं। सूचना पर खंड शिक्षा अधिकारी शैलेंद्र शुक्ला, थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा और विक्रमादित्य तिवारी मौके पर पहुंचे और छात्राओं व परिजनों को शांत कराने का प्रयास किया। लेकिन आरोपी शिक्षिकाओं पर कार्रवाई की मांग पर अड़े परिजन और छात्राएँ पीछे हटने को तैयार नहीं हुए। बाद में पुलिस ने जाम हटवाकर स्थिति सामान्य कराई। इस मामले पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय कुमार तिवारी ने बताया कि विद्यालय की शिक्षिकाएँ अर्चना बौद्ध और नीतू श्रीवास्तव के बीच काफी समय से विवाद चल रहा है, जिसके चलते विद्यालय का माहौल खराब हो रहा था।

प्रधानमंत्री मोदी ने देवव्रत महेश रेखे की असाधारण उपलब्धियों को सोशल मीडिया पर सराहा

■ देवव्रत ने काशी में शुक्ल यजुर्वेद की माध्यन्दिन शाखा के 2000 मंत्रों को 50 दिनों तक बिना किसी अवरोध के जपा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने काशी में शुक्ल यजुर्वेद की माध्यन्दिन शाखा के 2000 मंत्रों वाले 'दण्डकर्म पारायणम्' का 50 दिनों तक अखंड जप कर एक अनूठी उपलब्धि हासिल करने वाले 19 वर्षीय वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे की सराहना की है। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर निवासी देवव्रत ने दो अक्टूबर से 30 नवम्बर तक वाराणसी के रामघाट स्थित वल्लभराम शालिग्राम सांगवेद विद्यालय में यह दुर्लभ साधना सम्पन्न की। बिना किसी ग्रंथ की सहायता लिए, लगातार 50 दिनों तक शुद्ध उच्चारण के साथ किया गया यह अनुष्ठान काशी में लगभग 200 वर्ष बाद आयोजित हुआ। इससे पूर्व ऐसा दण्डक क्रम पारायण महाराष्ट्र के नासिक में वेदमूर्ति नारायण शास्त्री देव द्वारा किया गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने अधिकृत 'एक्स' अकाउंट पर मंगलवार को लिखा '19 वर्ष के देवव्रत महेश रेखे ने जो उपलब्धि हासिल की है, वो जानकर मन प्रफुल्लित हो गया है। उनकी ये सफलता हमारी आने वाली पीढ़ियों की प्रेरणा बनने वाली है। भारतीय संस्कृति में आस्था रखने वाले हर एक व्यक्ति को ये जानकर अच्छा लगेगा कि देवव्रत ने शुक्ल यजुर्वेद की माध्यन्दिन शाखा के 2000 मंत्रों वाले 'दण्डकर्म पारायणम्' को 50 दिनों तक बिना किसी अवरोध के पूर्ण किया है। इसमें अनेक वैदिक ऋचाएं और पवित्रतम शब्द उल्लेखित हैं, जिन्हें उन्होंने पूर्ण शुद्धता के साथ उच्चारित किया। ये उपलब्धि हमारी गुरु परम्परा का सबसे उत्तम रूप है। काशी से सांसद के रूप में, मुझे इस बात का गर्व है कि उनकी यह अद्भुत साधना इसी पवित्र धरती पर सम्पन्न हुई। उनके परिवार, संतों, मुनियों, विद्वानों और देश भर की उन सभी संस्थाओं को मेरा प्रणाम, जिन्होंने इस तपस्या में उन्हें सहयोग दिया। बताते चले देवव्रत की इस असाधारण उपलब्धि पर श्री श्रृंगेरी शारदा पीठ के शंकराचार्य ने भी उन्हें सम्मनित किया। वल्लभराम शालिग्राम सांगवेद विद्यालय के 100 वर्षों के इतिहास में यह केवल दूसरी बार हुआ है, जब 'दंडक क्रम' का इस स्तर पर अखंड जप किया गया है। वेदमूर्ति देवव्रत की इस असाधारण उपलब्धि पर बीते रविवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम में शुक्ल यजुर्वेद शिवगर्जना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम और 'दण्डकर्म पारायणम्' आचार्य श्रीकृष्ण शास्त्री गोडशे गुरूजी के जन्मशताब्दी वर्ष को समर्पित रहा। इसमें अयोध्या राममंदिर के शिलान्यास और रामलला के मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकालने वाले पद्मश्री गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ भी शामिल हुए।

वाराणसी में चार जनवरी से शुरू होगी सीनियर बॉलीबॉल चैंपियनशिप : ब्रजेश पाठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मंगलवार को वाराणसी में पत्रकारों से कहा कि चार जनवरी से 11 जनवरी 2026 तक सीनियर नेशनल बॉलीबॉल चैंपियनशिप जनपद में होने जा रहा है। इस चैंपियनशिप में पुरुष और महिला दोनों श्रेणी के मैच होने हैं। जिसमें 1500 खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। इनमें 300 खिलाड़ी राष्ट्रीय और 150 खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर के रहने वाले हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए आने वाले खिलाड़ियों के रुकने और परिवहन से संबंधित सभी तैयारियां आयोजको ने पूरी कर ली हैं। जो महिला खिलाड़ी आ रही हैं, उनके रुकने के लिए स्टेडियम के ही हॉस्टल में व्यवस्था कराई जा रही है। इसके अलावा वाराणसी के होटलों में भी खिलाड़ियों के रुकने की व्यवस्था कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि यह चैंपियनशिप वाराणसी से पहले इतने बड़े पैमाने पर कानपुर में हुई थी, उसके बाद अब वाराणसी में होने जा रहा है। चैंपियनशिप की खास बात यह है कि इससे निकलने वाली प्रतिभा का चयन राष्ट्रीय टीम में किया जाएगा।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के छात्र अभय प्रताप सिंह बने एबीवीपी के राष्ट्रीय मंत्री

वाराणसी। उत्तराखंड के देहरादून में संपन्न हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के राष्ट्रीय अधिवेशन में काशी प्रांत के प्रतिनिधि एवं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के शोधार्थी छात्र अभय प्रताप सिंह को राष्ट्रीय मंत्री के दायित्व की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। काशी प्रांत के संगठन मंत्री अभिलाष ने कहा कि अभय प्रताप सिंह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के निवासी है। वर्तमान में काशी हिंदू विश्वविद्यालय में भारत-अमेरिका संबंधों पर शोधरत हैं। विद्यार्थी परिषद में इससे पूर्व वे केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य, काशी प्रांत मंत्री, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, बीएचयू इकाई अध्यक्ष, प्रांत कार्यसमिति सदस्य जैसे विभिन्न दायित्व का निर्वहन कर चुके हैं।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

संपादक समन्वय
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
पीयूष त्रिपाठी

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

श्री गायत्री महायज्ञ में सामूहिक विवाह, 05 नव दंपति बंधे परिणय बंधन में बंधे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में मंगलवार को श्री राम जानकी धाम राम तलाई मंदिर में 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के चौथे दिन आचार्य पंडित राजेन्द्र द्विवेदी व उनकी टोली ने वैदिक मंत्रों पढ़कर 05 नवयुगलों की यज्ञ वेदियों की परिक्रमा कराकर परिणय सूत्र में बंधवाया। परिणय सूत्र में बंधते ही सारा यज्ञ परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। जहानाबाद कस्बे के श्री राम जानकी धाम राम तलाई मंदिर परिसर में चल रहे 23 वें श्री गायत्री महायज्ञ में सामूहिक विवाह आयोजन हुआ। इसमें अचार्य पंडित राजेन्द्र द्विवेदी व उनकी टोली द्वारा विधि विधान से वैदिक मंत्र उच्चारण कर सामूहिक विवाह कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया। अग्नि को साक्षी मानकर व यज्ञ वेदियों में आहुतियां डाल कर रूबी संग इंद्रेश, अराधना संग सौरभ, निहारिका संग शुभम, दीपिका संग कामता प्रसाद, रीता देवी संग दीपक उर्फ आशीष सहित पांच नवयुगलों ने यज्ञ वेदियों के फ़ेरे लेकर परिणयसूत्र में बंध गये। नवयुगलों के पाणिग्रहण संस्कार संपन्न होते ही पूरा यज्ञ स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। लोगों ने वर वधुओं को पुष्प वर्षा कर शुभाशीर्वाद दिया। गायत्री परिवार द्वारा सभी वर वधुओं को यथोचित उपहार भेंट किये गये। इसके पूर्व प्रात 9 बजे से महायज्ञ के चौथे दिन यजमानों ने यज्ञवेदियों में आहुतियां देकर जीवन के कल्याण की कामना की गई। इस मौके पर मंदिर के पुजारी बाबा अवधेशानंद, मुन्ना चौरसिया, ज्योति चौरसिया, श्रीराम गुप्ता, लल्लन अवस्थी, कन्हैयालाल बाजपेई, कन्हैया लाल तिवारी, राकेश दत्ता, राजेश बाजपेई, डॉक्टर मनीष वर्मा, रूप रानी सोनकर, बृजभूषण गुप्ता, राजेश वर्मा, रामनारायण सचान, मंजू शर्मा, संतोषी यादव आदि मौजूद रहे।

संभल में मीट कंपनी के अकाउंटेंट के घर आईटी की छापेमारी, लैपटॉप और दस्तावेज खंगाल रही टीम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

संभल। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल में आयकर विभाग की टीम ने आज मंगलवार को मीट का कारोबार करने वाली एक कंपनी से जुड़े शहर के चमन सराय निवासी अकाउंटेंट के आवास पर छापेमारी की। आईटी टीम ने घर को अपने कब्जे में लेकर अंदर मौजूद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और महत्वपूर्ण दस्तावेजों की जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार अकाउंटेंट संभल की मीट का कारोबार करने वाली एक कंपनी में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत है और लंबे समय से वित्तीय व्यवस्थाओं से जुड़ा है। आईटी टीम सबसे पहले घर में रखे गए लैपटॉप और कंप्यूटर सिस्टम को खंगालने में जुट गई। टीम डिजिटल फाइलों, लेनदेन के रिकॉर्ड तथा अकाउंट से जुड़े संभावित डेटा की गहन जांच कर रही है। अधिकारियों का शक है कि फर्म से जुड़े कुछ वित्तीय लेनदेन संदेह के घेरे में हैं, जिनकी कड़ियां अकाउंटेंट के निजी रिकॉर्ड से जुड़ सकती हैं। छापेमारी के दौरान घर के बाहर पुलिस बल भी तैनात किया गया ताकि भीड़ न जुटे और कार्रवाई सुगमता से पूरी की जा सके। इस छापे की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हलचल बढ़ गई और कई लोग मौके पर हालात देखने जुटने लगे, मगर सुरक्षा बलों ने किसी को भी आवास के करीब जाने की अनुमति नहीं दी। आईटी विभाग की यह कार्रवाई कंपनी से जुड़े संभावित कर चोरी और आर्थिक अनियमितताओं की जांच के हिस्से के रूप में देखी जा रही है। फिलहाल विभाग की ओर से आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन जांच पूरी होने तक टीम मौके पर डटी हुई है। उल्लेखनीय है कि इस कंपनी की के संचालकों पर कई प्रकार के गंभीर आरोप हैं।

ऑनलाइन उपस्थिति के विरोध में ग्राम पंचायत सचिवों का सत्याग्रह जारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली और गैर-विभागीय अतिरिक्त कार्यों के विरोध में ग्राम पंचायत सचिवों का शांतिपूर्ण सत्याग्रह दूसरे दिन भी जारी रहा। मंगलवार को जिले में सचिवों ने बाहों पर काली पट्टी बांधकर कार्य करते हुए अपने रोष का इज़हार किया। सचिवों का कहना है कि जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, आंदोलन चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा।

सचिवों ने आरोप लगाया कि शासन द्वारा लागू की गई ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली उनके फील्ड आधारित कार्यों के लिए बाधक बन रही है। उनका कहना है कि रोजाना कार्यालय पहुंचकर उपस्थिति दर्ज कराना व्यवहारिक नहीं है, क्योंकि अधिकांश जिम्मेदारियां गांवों में विकास योजनाओं की निगरानी, क्रियान्वयन और आमजन से जुड़े कार्यों से संबंधित होती हैं। इसके अलावा विभाग से इतर कई अतिरिक्त दायित्व थोपे जाने से सचिवों का कार्यभार काफी बढ़ गया है, जिसका सीधा प्रभाव ग्रामीण विकास से जुड़े मूल कार्यों पर पड़ रहा है। ग्राम पंचायत अधिकारी -सचिव समन्वय समिति औरैया के जिला अध्यक्ष अब्दुल करीम और महामंत्री प्रशांत यादव ने अपने आंदोलन की रूपरेखा बताते हुए कहा कि 1 से 4 दिसंबर तक सचिव काली पट्टी बांधकर कार्य करेंगे। 5 दिसंबर को सभी सचिव सामूहिक रूप से धरना देकर अपनी मांगों का ज्ञापन उच्चाधिकारियों को सौंपेंगे। इसके बाद 10 दिसंबर से वे शासकीय कार्य के लिए निजी वाहनों का उपयोग बंद कर देंगे, जबकि 15 दिसंबर को सभी सचिव अपने-अपने इंटरनेट डोंगल ब्लॉक कार्यालय में जमा कर देंगे, जिससे ऑनलाइन कार्य प्रभावित हो सकता है।

बैंकर्स जिले का ऋण जमा अनुपात बढ़ाएं : जिलाधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में मंगलवार को जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीसीसी) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) की बैठक कलेक्ट्रेट महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें वित्तीय वर्ष 2025ऽ26 के द्वितीय त्रैमास में विगत 30 सितंबर में जिले का ऋण जमानुपात 50.06 रहा है। जिस पर जिलाधिकारी ने बैंकर्स को निर्देश देते हुए कहा कि जनपद का ऋण जमानुपात बढ़ाए। बैठक में वार्षिक ऋण योजना(2025ऽ26), प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार सृजन योजना, एक जनपद एक उत्पाद, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, मुख्यमंत्री माटी कला योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की प्रगति वित्तीय समावेशन, साक्षरता एवं जागरूकता अभियान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना की प्रगति, पशुपालन एवं मत्स्य पालन किसान क्रेडिट कार्ड विशेष कैंप की प्रगति, आरसेटी प्रशिक्षण केंद्र के क्रियाकलापों का अनुश्रवण आदि की विस्तृत समीक्षा की। डीएम ने बैंक अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिन आवेदकों के ऋण स्वीकृत हो गए हैं, उनको तत्काल वितरित करें। साथ ही जो आवेदन लंबित हैं, उनका नियमानुसार निस्तारण समय से कराया जाए एवं जितने भी आवेदन एक माह से लंबित हैं उनका कारण सहित रिपोर्ट से अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि जिन बैंकों में किसान क्रेडिट कार्ड के तहत ऋण का वितरण कम हुआ है, उनको कैसे बढ़ाया जाए, उसके लिए उप कृषि निदेशक, जिला समन्वयक बैंक ऑफ बड़ौदा, भारती स्टेट बैंक के साथ बैठक कर रिपोर्ट से अवगत कराए। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना के तहत जिन बैंकों के आवेदन लंबित हैं, उसके साथ जिला उद्यान अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक कराकर लंबित आवेदनों की प्रगति की रिपोर्ट से अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना व प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के दावे जो स्वीकृत हो गए हैं, उनका तत्काल वितरण कराएं और जितने आवेदन लंबित हो, उनका कारण स्पष्ट करें। वित्तीय समावेशन, साक्षरता एवं जागरूकता अभियान से संबंधित एजेंसी जागरूकता अभियान को ग्रामों में होने वाली चौपालों में सम्मिलित किया जाए, साथ ही बैंक की जो तत्काल सेवाएं देने योग्य है, उनको लाभार्थियों को उपलब्ध कराएं। उन्होंने स्वतः रोजगार, सहायक निदेशक मत्स्य, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि अपने विभाग मे संचालित योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को उपलब्ध कराएं। केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित ऋण से सम्बंधित योजनाओं का व्यापक प्रचार- प्रसार किया जाए, ताकि जनपदवासी स्वरोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ सके।

03 से 31 दिसम्बर तक चलेगा टीका उत्सव

रायबरेली। शून्य से पांच साल तक के बच्चों का टीकाकरण करने के उद्देश्य से 03 से टीका उत्सव शुरू हो रहा है जो कि 31 दिसम्बर तक चलेगा। इसका उद्घाटन जिला महिला अस्पताल में किया जायेगा। इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुयी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा ने बताया कि टीकाकरण न केवल 12 जानलेवा बीमारियों से बचाता है बल्कि या प्रतिरोधक क्षमता को को भी बढ़ाता है और कुपोषण से रोकथाम होती है। इस अभियान में नियमित टीकाकरण से छूटे हुए बच्चों पर विशेष जोर रहेगा। इसके साथ ही जिन बच्चों का टीकाकरण तो हो चुका है लेकिन यूविन पर पंजीकरण नहीं है उनका पंजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा। अभियान के दौरान कोई विशेष सत्र आयोजित नहीं किये जायेंगे। टीकाकरण से एक दिन पहले आशा कार्यकर्ता लाभार्थियों को व्यक्तिगत तौर पर आमंत्रित करेंगी। अभियान के दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि यूविन पोर्टल पर पंजीकरण के साथ ही बच्चे का टीकाकरण हो। ड्यू लिस्ट में जो भी बच्चे चिन्हित हैं उनका टीकाकरण प्राथमिकता के आधार पर माइक्रोप्लान के अनुसार किया जायेगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सभी विभागों से सहयोग की अपील की। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ अरुण कुमार बताया कि टीकाकरण घर के समीप और नि शुल्क लग रहे हैं। जब भी सत्र लगे तो बच्चों का टीकाकरण अवश्य कराएँ। शहरी क्षेत्रों में सप्ताह के सातों दिन टीका लगता है। जब भी टीकाकरण के लिए आयें तो माँ या पिता की आईडी, पहचान पत्र और मोबाईल नम्बर अवश्य लेकर आयें जिससे कि बच्चे का यूविन पोर्टल पर पंजीकरण हो जाये और उसका टीकाकरण हो सके। टीके पूरी तरह सुरक्षित हैं। जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी डी.एस. अस्थाना ने बताया कि 12 जानलेवा बीमारियों हैं।